हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

20 मार्च, 2002

खण्ड-1, अंक 11

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, मार्च 20, 2002

		पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर		(11)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर		(11)14
शोक प्रस्ताव		(11)27
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना		(11)28
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव		(11)29
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव		(11)30
समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना--		(11)30
प्राक्कलन समिति की 33वीं रिपोर्ट		(11)30
विधान कार्य--		(11)30
(i)	दि हरियाणा ऐप्रोप्रिएशन (नं. 1) बिल, 2002	(11)30
(ii)	दि हरियाणा ऐप्रोप्रिएशन (नं. 2) बिल, 2002	(11)32
(iii)	दि हरियाणा सिविल सर्विसिज (ऐग्जक्यूटिव ब्रांच) एंड एलाइड सर्विसिज एंड अदर सर्विसिज कॉमन/कम्बाइंड ऐग्जामिनेशन बिल, 2002	(11)46
(iv)	दि हरियाणा एपार्टमैंट ऑनरशिप (अमैंडमैंट) बिल, 2002	(11)49
(v)	दि हरियाणा लैजिसलेटिव असैम्बली (अलाउन्सिज एंड पेंशन ऑफ मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल, 2002	(11)50
(vi)	दि हरियाणा सैलरीज एंड अलाउन्सिज ऑफ मिनिस्टर्ज (अमैंडमैंट) बिल, 2002	(11)53
धन्यवाद देना		(11)55

मूल्य : 57 00

हरियाणा विधान सभा

बुधवार 20 मार्च, 2002

विधान सभा की बैठक विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रात: 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल-जवाब होंगे।

Opening of Veterinary Hospital

***926. Shri Lila Ram :** Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open new Veterinary Hospital/Dispensary at Dohar, Dayora and Jayawanti in Kaithal Constituency, if so, the details, thereof ?

पशुपालन राज्य मंत्री (चौ. मोहम्मद इलियास) : गांव जयवन्ती तथा दयोरा में पशु अस्पतालों के लिये भवनों का निर्माण हो चुका है व इन संस्थाओं के लिये अमले की स्वीकृति का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

गांव दोहर में पशु औषधालय पहले से कार्यरत है तथा यह पशु औषधालय अब 2001 में पशु चिकित्सालय एवं प्रजनन केन्द्र में अपग्रेड कर दिया गया है और अमला भी स्वीकृत हो चुका है।

श्री लीला राम : अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में जहाँ सरकार ने हर क्षेत्र में विकास के नये आयाम स्थापित किए हैं वहीं पशु विभाग में भी अनेक उन्नति हुई है, तरक्की हुई है। मैं आपके माध्यम से इसके लिए आदरणीय मंत्री जी का और हरियाणा सरकार का धन्यवाद करना चाहूँगा। अध्यक्ष महोदय, आज पशु धन भी गरीब आदमी की जीविका का एक साधन बन चुका है वे लोग पशुओं को पालकर उनसे दूध लेकर अपना गुजारा करते हैं। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने इस क्षेत्र में अनेक विकास कार्य किए हैं। मैं आपके माध्यम से हरियाणा सरकार से मांग करना चाहूँगा कि जिस प्रकार से कैथल की अनाज मंडी पूरे हरियाणा प्रदेश में अनाज के क्षेत्र में एक नम्बर की मंडी है ठीक उसी प्रकार से पशु धन के मामले में भी कैथल जिला पूरे हरियाणा में प्रथम स्थान पर है, वहां के लोग काफी मात्रा में पशु पालते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में कई गांव ऐसे हैं जिनमें पशु अस्पताल नहीं है इसलिए मैं मांग करूँगा कि अटेला, उझाना, मानस, कुलतारण, मानपुरा और ढोडीखेड़ी गांवों के अंदर नये पशु औषधालय बनाए जाएं। इसके अलावा ठीक गांव के अंदर जो पशुओं की दवाइयों का पशु औषधालय है उसको भी अपग्रेड किया जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं इसी विभाग से संबंधित एक और मांग करना चाहूँगा। पिछले दिनों आदरणीय मुख्य मंत्री जी कैथल गए थे वहां पर उन्होंने एक चीलिंग प्लांट का शिलान्यास

[श्री लीला राम]

भी किया था। अब हमने उसके लिए जमीन भी दे दी है। मैं चाहूँगा कि क्योंकि यह भी पशुओं से ही जुड़ा हुआ मामला है इसलिए वहाँ पर एक मिल्क प्लांट भी लगाया जाये।

चौ. मोहम्मद इलियास : अध्यक्ष महोदय, जैसा मेरे साथी भाई लीला राम जी ने पूछा है और मुख्तलिफ अपने हल्के के गांवों का नाम भी उन्होंने पशु औषधालय खोलने के लिए लिया है। मैं इसके लिए आदरणीय विधायक जी से चाहूँगा कि वे जहां-जहां मुनासिब समझते हैं लिखकर अपना नोट दे दें। हमारा जो होस्पीटल खोलने का नॉर्म है यदि उसको वे पूरा करते होंगे तो हम सर्वे करा लेंगे, सही होगा तो हम जरूर उस पर विचार करेंगे। जहां तक मिल्क प्लांट को लगाने की बात है वैसे तो यह हमारे महकमे का सवाल नहीं है यह कोआप्रेटिव डिपार्टमैंट से संबंधित है लेकिन फिर भी इसका दूध से संबंध होने की वजह से यह मामला मेरे विभाग से ताल्लुक रखता है। ये मेरे पास इस बारे में लिखकर भेज दें मैं कोआप्रेटिव डिपार्टमैंट को फाईल भेज दूंगा।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह पर्टिकुलर क्वेश्चन है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत मुख्य मंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने जिन अस्पतालों /पशु अस्पतालों को बनाने की घोषणा की थी उनकी बिल्डिंग बन चुकी हैं लेकिन डॉक्टरों की, वैटरनरी सर्जनों की और कंपाउंडरों की कमी के कारण 4-4, 5-5 गांवों में एक-एक डॉक्टर की ड्यूटी लगा रखी है जिससे इन औषधालयों में एक-एक दिन उनका मुश्किल से आता है जिससे वहां के लोगों को काफी दिक्कत होती है। क्या इन औषधालयों में डॉक्टर या कंपाउंडर की भर्ती करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है अगर है तो कब तक डॉक्टर या कंपाउंडर उनमें भेज दिए जाएंगे ?

चौ. मोहम्मद इलियास : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए माननीय सदस्य को जानकारी देना चाहता हूँ कि आदरणीय श्री ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार आने से पूर्व पिछले 10 सालों से हमारे बहुत से अस्पतालों/औषधालयों में स्टाफ नहीं था। लेकिन अब वहां स्टॉफ के लिए आदरणीय श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने स्वीकृति दे दी है। जहां तक भर्ती का ताल्लुक है सिर्फ दो ढाई साल के अर्से में 136 वैटरनरी सर्जन भर्ती किए गए हैं और 256 वी.एल.डी.ए. भर्ती किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त ऐक्स सर्विसमैन कैडर से जो पोस्टें भरनी थी उनकी एक हफ्ते पहले सैक्शन आई है, इनको भी बहुत जल्दी भर दिया जाएगा। जहां तक डॉक्टरों की बात है, जिन औषधालयों में डॉक्टर नहीं हैं आप लिखकर दे दें वहां डॉक्टरों की पोस्टिंग कर दी जाएगी।

श्री सूरज मल : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गांव मुरथल में एक पशु अस्पताल बिल्कुल बेकार हो चुका है, उसकी छत गिर चुकी है मैं मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि उसकी कब तक रिपेयर करा दी जायेगी ?

चौ. मोहम्मद इलियास : अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय सदस्य श्री सूरज मल जी ने बताया है कि उनके हल्के के एक गांव में अस्पताल की हालत अच्छी नहीं है। सही तो यह है कि आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार आने से पूर्व पिछले 10-15 सालों से प्रदेश के अंदर जितनी भी अस्पताल की बिल्डिंग्ज थीं उनकी हालत बहुत खराब थी, जर्जर थी। आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के माध्यम से फेज एक के अन्दर एच.आर.डी.एफ. से करीब 781.32 लाख रुपये सैक्शन किये हैं। जिसमें से अब तक 735.75 लाख रुपये रिलीज हो चुके हैं और फेज दो के अन्दर 412.01 लाख रुपये सैंक्शन किये हैं जिनमें से 399.02 लाख रुपये रिलीज हो चुके हैं। इसलिए मैं आदरणीय विधायक जी को यह आश्वासन देना चाहता हूँ कि अभी हमने पिछले दिनों माननीय मुख्य मंत्री महोदय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की कवायद में एक मीटिंग की थी जिसमें यह फैसला लिया गया कि जैसे दूसरे महकमे नाबार्ड से पैसे ले रहे हैं उसी प्रकार हम भी नाबार्ड से पैसे लेंगे। इस बात पर विचार-विमर्श हो रहा है और नाबार्ड वाले मान भी गये हैं। हमने पूरे प्रदेश से एस्टिमेट भी मंगवाये हुये हैं

हमारे पास 436256000/- के एस्टिमेट आ चुके हैं। हम माननीय विधायक जी के मुरथल गांव के औषधालय का सर्वे करायेंगे और अगर वाकई में उसकी हालत खराब है तो जल्दी से जल्दी उसकी मरम्मत करा दी जायेगी, ऐसा मैं विधायक को आश्वासन देना चाहूँगा।

श्री रमेश कुमार खटक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि पशुपालन विभाग में कुल कितनी पोस्टें हैं और हमारी सरकार आने के बाद कितने नये पशु औषधालय बनाने के लिए स्वीकृति दी गई है और उनके लिए क्या नॉर्म्ज रखे गये हैं ? कृपा करके मंत्री जी बतायें।

चौ. मोहम्मद इलियास : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी माननीय रमेश कुमार खटक जी ने जो बात पूछी है कि नये होस्पिटल और नये पशु औषधालय खोलने के लिए क्या नॉर्म्ज हैं। अध्यक्ष महोदय, नये होस्पिटल खोलने के लिए हमारे नॉर्म्ज यह हैं कि जिस गांव के अन्दर पशुओं की संख्या दो हजार होती है और गांव की जनसंख्या पांच हजार के करीब होती है वहां पशु होस्पिटल खोला जाता है और इसी तरह जिस गाँव में पशुओं की संख्या एक हजार होती है और मनुष्यों की आबादी दो हजार होती है वहां पर पशु औषधालय खोला जाता है। जहां तक नये होस्पिटल और पशु औषधालय खोलने की बात है ; अध्यक्ष महोदय, 10-15 साल पहले से इस महकमे को किसी ने नहीं देखा। आज हरियाणा सरकार और आदरणीय वजीरेआला चौधरी ओमप्रकाश चौटाला बधाई के पात्र हैं उन्होंने 2001 से 2002 में आज तक कितने होस्पिटल और पशु औषधालय खोले हैं, अगर आप इजाजत दें तो मैं उन सब के नाम पढ़ कर बता सकता हूँ।

श्री अध्यक्ष : नहीं, पढ़ने की जरूरत नहीं है।

डॉ. सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि जबवाली हल्के के गांव पीपली के पशु औषधालय के वैटरनरी डॉक्टर की काफी समय पहले एक्सीडैंटल में डैथ हो गई थी। इसके बारे में हमने लिखकर भी भेजा था कि वहां कि पोस्ट वैकेंट है लेकिन अब तक उस पोस्ट को भरा नहीं गया है। उस गांव के आसपास 5-6 गांव लगते हैं। मैं मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूँ कि इस पोस्ट को जल्द से जल्द भरने की कृपा करें। इसके साथ-साथ मैं यह भी जानना चाहता हूँ कि जो नये पशु औषधालय बनकर तैयार हो गये हैं उनके अन्दर बहुत सी पोस्टें डॉक्टर्ज और बी.एल.डी.ए. की वैकेंट पड़ी हैं उनको कब तक भर दिया जायेगा ?

चौ. मोहम्मद इलियास : अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय डॉक्टर साहब को बताना चाहूँगा कि जहां तक डॉक्टर्ज की कमी की बात है उसके बारे में मैंने सदन को पहले ही अवगत करा दिया है कि इन दो-अढ़ाई सालों में जितनी भर्ती हमारे महकमें में हुई है इतनी शायद 10-15 सालों में नहीं हुई होगी। जहां तक अस्पतालों में वैकेंट पोस्टों की बात है तो माननीय साथी लिखकर दे दें, उनको जल्दी ही भर दिया जाएगा। इसके अलावा भी जहां कहीं पर अस्पतालों में वैकेंट पोस्टें होंगी, उनको बहुत ही जल्द हम भरने की कोशिश करेंगे।

श्री जसबीर मलौर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से अनुरोध करूँगा कि मेरे गांव में भी जो वैटरनरी होस्पिटल आज से 25 साल पहले बना था उसकी बिल्डिंग गिर चुकी है, डॉक्टर्ज के क्वाटर्स भी गिर चुके हैं। पिछले दिनों इस बारे में डिपार्टमैंट के थ्रू केस भिजवाया गया था। उसके बाद बिल्डिंग के लिए पैसा रिलीज हो गया और बिल्डिंग बन भी गई है डाक्टर्ज के क्वाटर्ज बनाने के लिए उसका यू.सी. भी भेज दिया है, पैसा रिलीज कर दिया जाए। मेरे गांव के आस-पास 8 गांव हैं और होस्पिटल मेरे गांव में है। रात के समय जब कोई पशु बीमार हो जाता है तो उसको होस्पिटल में लाया जाता है लेकिन वहां डॉक्टर्ज नहीं होते क्योंकि वहीं पर क्वाटर्ज न होने के कारण वे अम्बाला शहर में रहते हैं। इसलिए जब तक वहां क्वॉटर्ज नहीं बनते तब तक डॉक्टर्ज वहां कैसे रह सकते हैं ? वहां बड़ी दिक्कत है। इसलिए मैं मंत्री जी से अनुरोध करूँगा कि हमारे पैंडिंग पैसे को जल्दी रिलीज करके जल्दी से जल्दी वहां डाक्टर्ज के क्वाटर्ज बनवाने का कष्ट करवाया जाए।

चौ. मोहम्मद इलियास : अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पूरे हाउस को अवगत कराया है कि एच.आर.डी.एफ. से कितनी राशि सैंक्शन हुई है और कितनी रिलीज कर दी गई है। अध्यक्ष महोदय, मैं मलौर साहब के गांव का नहीं बल्कि मैं पूरे प्रदेश का ब्यौरा हाउस में दे रहा हूँ कि हमने नाबार्ड से लोन लेने का प्रस्ताव रखा है और प्रस्ताव विचाराधीन है। हमने पूरे प्रदेश से जिला वाइज एस्टीमेट मंगाए हुए हैं। जैसे मैंने अभी बताया था कि अब तक 896 एस्टीमेट पूरे प्रदेश से आ चुके हैं। हमारा 43 करोड़ 62 लाख 56 हजार रुपये नाबार्ड से लोन लेने का प्रावधान है। जैसे ही लोन की व्यवस्था होगी, मलौर जी के गांव में ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा प्रदेश में जितने भी होस्पिटल हैं या पशु औषधालय है, सबकी बकायदा मुरम्मत की जाएगी, नई बिल्डिंग भी बनाई जाएंगी, इसलिए मैं माननीय साथी को आश्वासन देता हूँ कि आने वाले समय में इनके यहां होस्पिटल में डाक्टर्ज के क्वाटर्ज की बिल्डिंग भी बना दी जाएगी।

Upgradation of Pataudi and Bhora Kalan, High School

*964. **Shri Ram Bir Singh :** Will the Minister of State for Education be pleased to state --

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade Government High Schools, Bhora Kalan and Pataudi into 10+2 in Pataudi Constituency ; and

(b) If so, the time by which the aforesaid Schools are likely to be upgraded ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह) : (क) तथा (ख) : सरकार ने पहले ही पत्र दिनांक 12-2-2002 अनुसार राजकीय उच्च विद्यालय भौंडा कलां तथा पटौदी को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बना दिया है। ये विद्यालय आगामी शैक्षणिक स्तर से कार्य करना आरम्भ कर देंगे।

श्री रामबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, पटौदी और भौंडा कलां के स्कूलों का दर्जा बढ़ाकर प्लस टू स्कूल करने की बहुत बड़ी मांग थी जिसको मुख्य मंत्री महोदय ने अपनी मंजूरी देकर पूरा कर दिया है। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय का, हरियाणा सरकार का और शिक्षा राज्य मंत्री का पटौदी विधानसभा क्षेत्र के लोगों की तरफ से आभार प्रकट करता हूँ। लेकिन मैं एक बात अवश्य कहना चाहूँगा कि पटौदी का राजकीय माध्यमिक विद्यालय 135 साल पुराना था। पटौदी कस्बा है, तहसील है और ब्लाक है उसकी यह मांग बहुत दिनों से थी। माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने इसको पूरा किया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। भौंडा कलां विद्यालय के बारे में मैं यह अवश्य कहना चाहता हूँ कि यह विद्यालय पिछली सरकार में अपग्रेड किया गया था। पिछली सरकार के शिक्षा मंत्री राम विलास शर्मा जी ने उसको अपग्रेड किया था, उसके लिए पत्थर भी रखा था। लेकिन उस समय इन दोनों पार्टीज का इतना तालमेल था कि हरियाणा विकास पार्टी के तत्कालीन मंत्री जो पटौदी विधान सभा क्षेत्र के उस समय सदस्य थे, उन्होंने 22 जुलाई 1999 को वह ऑर्डर निरस्त कराए और उसको दोबारा से हाई स्कूल बना दिया गया। अध्यक्ष महोदय, दुनिया तो विकास करती है लेकिन उनकी पार्टी का नाम तो विकास पार्टी था लेकिन उन्होंने काम विनाश करने का किया क्योंकि एक मंत्री पत्थर लगाकर उसको अपग्रेड करने का काम करता है और दूसरा मंत्री उसको उखाड़ने का काम करता है। 22 जुलाई, 1999 को जिस दिन बंसीलाल की सरकार गिर रही थी उस दिन

पत्थर को निरस्त करके डी ग्रेड करके उस को दोबारा हाई-स्कूल बना दिया गया। भींडा कलां बहुत बड़ा गांव है, तकरीबन 10 हजार वोट उस गांव के है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने भींडा कलां और पटौदी गाँवों को जो सम्मान दिया है उसके लिए मैं इनका धन्यवाद करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं आपके माध्यम से एक पूरक प्रश्न करना चाहूँगा कि जैसा कि माननीय शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा है कि जो स्कूल नॉर्म्ज पूरे करते होंगे उन्हें अपग्रेड कर दिया जायेगा। मेरे हल्के के नूरगढ़, खोड़ और बादली गांवों के हाई स्कूल अपग्रेड होने के नॉर्म्ज पूरे करते हैं क्या इन्हें भी जमा दो स्कूलों में अपग्रेड किया जायेगा ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जिन स्कूलों का माननीय साथी ने जिक्र किया है यदि इन स्कूलों को अपग्रेड करने का केस हमारे पास आया होगा तो हम इनको एग्जामिन करवाकर इन्हें अपग्रेड करने बारे विचार कर लिया जायेगा।

श्री शशि परमार : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मुंढाल में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत धनाणा और मिथाथल गांवों के स्कूल जमा दो तक अपग्रेड करने की और गांव सिरसा घोघड़ा का स्कूल पांचवी से आठवीं तक अपग्रेड करने की घोषणा माननीय मुख्य मंत्री जी ने की थी, इसके अतिरिक्त मालपोस गांव का स्कूल भी अपग्रेड किया जाना है। ये स्कूल अपग्रेड करने के नार्म्ज पूरे करते हैं और इनकी अपग्रेडेशन का केस एक डेढ़ साल से शिक्षा मंत्री जी के यहां आया हुआ है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूँगा कि क्या इन स्कूलों का दर्जा बढ़ाया जायेगा ताकि बच्चों में शिक्षा का प्रसार-प्रचार हो सके ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को बताना चाहूँगा कि हमने 146 स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए विचार किया है और माननीय साथी ने जो नाम बताये हैं यदि उनमें से कुछ स्कूल इस लिस्ट में शामिल हैं वे तो अपग्रेड हो जायेंगे लेकिन जिन दूसरे स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में ये कह रहे हैं, यदि वे नॉर्म्ज पूरे करते होंगे तो उनको एग्जामिन करवाकर अपग्रेड करने बारे विचार कर लिया जायेगा।

श्री बलवंत सिंह सढ़ौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि मेरे हल्के के गांव मलिकपुर बांगर, सैराबां और नंगला राजपुताना के स्कूलों को जमा दो में अपग्रेड करने बारे केस 5-6 महीने से शिक्षा मंत्री जी के यहां आया हुआ है। ये स्कूल अपग्रेडेशन के नॉर्म्ज भी पूरे करते हैं। क्या इनको अपग्रेड किया जायेगा ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपके माध्यम से अभी पूरे सदन को बताया था कि हमने 146 स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए विचार किया है और माननीय साथी ने जो नाम बतायें हैं वे इस लिस्ट में शामिल हैं या नहीं यह तो मैं नहीं बता सकता। अगर ये स्कूल इस लिस्ट में शामिल होंगे तो वे अपग्रेड हो जायेंगे और अगर नहीं हैं और यदि वे नॉर्म्ज पूरे करते होंगे तो उनको एग्जामिन करवाकर अपग्रेड करने बारे विचार कर लिया जायेगा।

डॉ. राम भगत : स्पीकर सर, नये एकेडमिक सैशन से हरियाणा सरकार 'सर्व शिक्षा अभियान' शुरू कर रही है जिसके तहत स्कूलों के केडर में, स्ट्रैक्चर में परिवर्तन आना है। इस अभियान के तहत दो किस्म के स्कूल ही हरियाणा में रहेंगे। एक तो पहली कक्षा से आठवीं कक्षा तक और दूसरे नौवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा तक। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जो स्कूल आठवीं से दसवीं तक अपग्रेड होने के बारे में सरकार के पास विचाराधीन हैं क्या उनको सीधा आठवीं से जमा दो के स्कूलों अपग्रेड किया जायेगा तथा जो मौजूदा हाई स्कूल हैं उनको भी डायरैक्ट जमा दो के स्कूलों में अपग्रेड किया जायेगा या उनको रिवर्ट किया जायेगा, इस बारे सरकार ने क्या क्राईटेरिया रखा है उस बारे बतायें ? अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं आपके माध्यम से यह भी जानना चाहूँगा कि मेरे हल्के के गांव माजरा के स्कूल को आठवीं से दसवीं तक अपग्रेड

[प्रो. राम भगत]

करने बारे मुख्य मंत्री महोदय जी ने घोषणा की थी और गांव पूठी के मिडल कन्या स्कूल को भी हाई स्कूल में अपग्रेड करना था। ये दोनों स्कूल अपग्रेड होने के नॉर्म्ज भी पूरे करते हैं इनकी क्या स्थिति है, यह भी मंत्री जी बता दें ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को बताना चाहूँगा कि 'सर्व शिक्षा अभियान' सरकार 1-4-2002 से चलाने जा रही है। उसकी अभी स्टडी कर रहे हैं उसकी जो भी पॉलिसी होगी, उससे माननीय साथी को भी अवगत करवा दिया जायेगा। जहां तक माननीय साथी ने स्कूलों को अपग्रेड करने बारे प्रश्न पूछा है उस बारे मैंने पहले भी बताया है कि हमने 146 स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए विचार किया है और माननीय साथी ने जो नाम बतायें हैं वे इस लिस्ट में शामिल हैं या नहीं, यह तो मैं नहीं बता सकता। अगर ये स्कूल इस लिस्ट में शामिल होंगे तो ये अपग्रेड हो जायेंगे और अगर लिस्ट में नहीं हैं और यदि वे नॉर्म्ज पूरे करते होंगे तो उनको एग्जामिन करवाकर अपग्रेड करने बारे विचार कर लिया जायेगा।

श्री राम कुवार : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या गोहाना में कन्याओं का महाविद्यालय बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है यदि हाँ तो कब तक बनाया जायेगा ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि इस तरह का कोई भी प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं जो सवाल पूछना चाहता हूँ वह इसी मूल सवाल से मिलता-जुलता सवाल है। माननीय शिक्षा मंत्री जी पूरी तैयारी करके आते हैं। ये कभी भी कोई जवाब देने में हिचकिचाते नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से मंत्री जी को बताना चाहता हूँ कि मेरे क्षेत्र में मिट्ठी सुनेरा एक गांव है। इस गांव एक जे.बी.टी. ट्रेनिंग सैन्टर है। जे.बी.टी. ट्रेनिंग सैन्टर में जो बच्चे दाखिला लेते हैं उनकी कम से कम क्वालिफिकेशन +2 है। इस वक्त जिस गांव में यह सैंटर चल रहा है वहाँ का स्कूल मैट्रिक तक ही है। इस सैंटर में जो बच्चे जे.बी.टी. ट्रेनिंग के लिए दाखिला लेंगे उसकी क्वालिफिकेशन +2 है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या उस स्कूल का दर्जा बढ़ाकर कुछ रिलीफ देकर उसको +2 का स्कूल अपग्रेड करेंगे ताकि उस स्कूल में +2 करने के बाद बच्चे जे.बी.टी. की ट्रेनिंग के लिए दाखिला ले सकें ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहता हूँ कि अगर ऐसी पोजीशन है तो उसका वे केस बनवा कर के भेजें, अगर नॉर्म्ज पूरे हैं तो उस पर अवश्य विचार किया जायेगा।

श्री सूरजमल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूँगा कि मेरे हल्के में नांगल कलां एक गांव है। वहां पर लड़कियों का कोई स्कूल +2 का नहीं है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी के नोटिस में भी लाना चाहूँगा कि जब वे 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत वहां पर गये थे तो उस वक्त भी हमने यह मांग चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी को लिख कर दी थी। उस वक्त उसमें अपग्रेड करने के लिए कुछ नॉर्म्ज कम रह गए थे। अब वे नॉर्म्ज पूरे कर दिये गये हैं। मैं मंत्री जी को यह भी बताना चाहूँगा कि वहां पर 20-25 गांवों में एक भी स्कूल +2 का लड़कियों का नहीं है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि लड़कियों के इस स्कूल को कब तक +2 का बना दिया जायेगा ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, यदि इन्होंने उसके नॉर्म्ज पूरे करवा दिये हैं तो ये वहां के डी.ई.ओ. के माध्यम से केस बनवा कर यहां पर भिजवा दें। मैं भी डी.ई.ओ. को कह दूंगा। अगर नॉर्म्ज पूरे हो गए हैं तो उस पर विचार कर लिया जायेगा और लड़कियों के इस स्कूल को जरूर अपग्रेड किया जायेगा।

डॉ. मालिक चन्द गम्भीर : स्पीकर साहब, मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूँ कि यमुनानगर एक ऐसा हल्का है जहां पर लड़कियों का या लड़कों का कोई भी सरकारी कॉलेज नहीं है। इसके साथ-साथ में मंत्री जी के नोटिस में यह भी लाना चाहूँगा कि यमुनानगर शहर एक इण्डस्ट्रियल टाउन है और वहां पर गरीब लोग भी काफी रहते हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार का यमुनानगर में लड़कों का या लड़कियों का कोई गवर्नमेंट कालेज खोलने का प्रस्ताव है ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, यमुनानगर में कॉलेजिज की पहले ही कोई कमी नहीं है। वहां पर पहले ही काफी कॉलेजिज हैं। वहां से अभी तक सरकारी कॉलेज खोले जाने की कोई डिमांड भी नहीं आयी है। यदि वहां से कोई डिमाण्ड आयेगी तो उसको कन्सीडर कर लेंगे लेकिन फिलहाल सरकार का वहां पर कोई भी सरकारी कॉलेज खोलना विचाराधीन नहीं है।

डॉ. सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूँगा कि मेरे हल्के के चौटाला गांव में एक जे.बी.टी. और आई.टी.आई. सैन्टर मंजूर किया गया था। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि ये दोनों सैन्टर कब तक शुरू हो जायेंगे ? अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ में मंत्री जी से यह भी जानना चाहता हूँ कि मेरे हल्के के अन्दर जो गोरीवाला गांव का स्कूल है। उस स्कूल को +2 तक कब तक अपग्रेड कर दिया जायेगा। वह गांव वैसे भी वहां पर 8-10 गांवों के बीच में पड़ता है। मैं मंत्री जी के नोटिस में यह भी लाना चाहता हूँ कि इस स्कूल के अपग्रेडेशन का केस मंत्री जी के पास आया हुआ भी है। इस स्कूल को हाई स्कूल से +2 का दर्जा देने का प्रस्ताव है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि इस स्कूल को कब तक अपग्रेड कर दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं एक सवाल और पूछना चाहता हूँ कि डबवाली शहर के अन्दर आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की थी की जो लड़कियों का स्कूल है उसका दर्जा भी 10 से + 2 का किया जायेगा। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि मेरे हल्के के ये सारे कार्य कब तक हो जायेंगे ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, डॉक्टर साहब ने आज सुबह ही मुझे ये नाम बताए हैं। मैं इन्हें अपने विभाग से चैक करवाऊंगा। यदि ये मेरे आफिस में आना चाहें तो ये आ भी सकते हैं। यदि वे स्कूल नॉर्म्स पूरे करते होंगे तो उन पर जरूर विचार किया जायेगा। मैं इनसे फिर अनुरोध करूंगा कि ये अपने स्कूलों के संबंध में मेरे ऑफिस में आ जायें वहां पर देखकर इनको सारी स्थिति के बारे में बता दिया जायेगा।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में चल रही नीतिगत योजनाओं के अन्तर्गत और इनके स्वयं 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत माननीय मुख्य मंत्री जी से लोगों ने मेवात में गर्ल्ज कॉलेज खोलने के लिए अनुरोध किया था, उस अनुरोध को दृष्टिगत रखते हुए और शैक्षणिक दृष्टि से क्या सरकार का मेवात में कोई गर्ल्ज कॉलेज खोलने का विचार है ? क्योंकि मेवात क्षेत्र सबसे पिछड़ा क्षेत्र है मेवात में एक भी गर्ल्ज कॉलेज नहीं है। वहां पर पंचायत ने इस के लिए अपनी जमीन देने का प्रस्ताव भी पास किया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, लड़कियों की शिक्षा आज बहुत जरूरी है।

श्री अध्यक्ष : रावत साहब, आप सप्लीमैन्ट्री पूछें।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या वहाँ पर जॉब ओरिएन्टेड कोर्सिस शुरू करने के लिए सरकार विचार करेगी ? बल्लबगढ़, हथीन जो मेवात क्षेत्र में पड़ता है वहाँ पर गर्ल्ज कॉलेज खोलने का अनुरोध भी मुख्य मंत्री जी से किया गया था। मेरे कहने का मतलब यह है कि लोगों के अनुरोध पर मुख्य मंत्री जी ने उसे स्वीकार करते हुये विचारणीय विषय समझा था। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार इस पर विचार कर रही है ?

10.00 बजे **चौ. बहादुर सिंह :** अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई प्रपोजल सरकार के पास नहीं आई है अगर राजत साहब प्रपोजल बनवा कर भिजवायेंगे और जितनी भी इनकी बात होगी उस पर जरूर विचार कर लिया जाएगा। स्पीकर सर, लड़कियों की शिक्षा की तरफ हमारी सरकार खास ध्यान दे रही है और जहां लड़कियों की शिक्षा की कमी है उसको दूर करने के लिए तथा लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार कटिबद्ध है।

श्री नफे सिंह जुण्डला : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गांव साहपुर के स्कूल का मैट्रिक से प्लस टू के अपग्रेडेशन का केस डी.ई.ओ.के. थ्रू सरकार के पास पहुँचा हुआ है। मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूँगा कि साहपुर गांव के स्कूल को कब तक अपग्रेड करके 10+2 बनाया जाएगा ? अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गांव अलावल और गांव दादूपुर के लोग वहाँ के स्कूलों को अपग्रेड करने के मामले 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत माननीय मुख्य मंत्री जी के पास डिमाण्ड के रुपये लेकर गए थे लेकिन उस समय वह स्कूल नॉर्म्ज पूरे नहीं करते थे, लेकिन अब उनके नॉर्म्ज पूरे हो चुके हैं क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि क्या उनको भी अपग्रेड किया जाएगा ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि माननीय मुख्य मंत्री जी की अगर अनाउंसमैंट है और वह स्कूल नॉर्म्ज पूरे करते हैं तो ऐसे स्कूलों को अपग्रेड करने बारे जरूर विचार किया जाएगा तथा उनको अपग्रेड करने की कोशिश भी की जाएगी।

श्री रमेश राणा : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने घरौण्डा के अन्दर जब खुला दरबार लगाया था तो उस समय घरौण्डा की जनता ने वहाँ पर कन्या महाविद्यालय खोलने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी को आवेदन किया था तथा मुख्य मंत्री जी ने यह विश्वास दिलाया था कि इस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहूँगा कि क्या घरौण्डा में कन्या महाविद्यालय खोलने का सरकार का कोई विचार है ? अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के घरौण्डा के अन्दर तकरीबन 50 हजार की आबादी है और वहां पर 10+2 का लड़कियों का एक ही स्कूल है और वह भी आधा एकड़ जमीन के अन्दर चल रहा है और उसमें दो शिफ्टें लगती हैं जिसके कारण बच्चियों को स्कूल में रात हो जाती है। अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से यह आश्वासन चाहूँगा कि सहानुभूतिपूर्वक विचार करके इस स्कूल को भी किसी खुली जगह पर बनाया जाए जिससे बच्चियां एक ही शिफ्ट में पढ़ सकें।

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को यह बताना चाहूँगा कि घरौण्डा में एक कॉलेज पहले ही चल रहा है तथा करनाल घरौण्डा के बिल्कुल नजदीक पड़ता है इसलिए मेरे ख्याल से हर जगह पर कॉलेज खोलने की कोई आवश्यकता नहीं है। जहां तक दूसरे 10+2 स्कूल का संबंध है यदि उसमें बिल्डिंग वगैरा की कमी है, वह हम देख लेंगे और उसके एक्सपैंशन के लिए इन्तजाम कर दिया जाएगा।

Providing of Basic Amenities in Schools

*884. @ **Shri Amar Singh Dhandey**
Ch. Nafe Singh Rathi } Will the Minister of State for Education be pleased to state whether it is a fact that there is scarcity of basic amenities in Government Schools in the State ; If so, the steps taken or proposed to be taken to provide the said amenities in the schools ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह) : राज्य के अधिकतर विद्यालयों में मूल सुविधाएं जैसे भवन, खेल

@ Put by Shri Amar Singh Dhanday

के मैदान, पीने के पानी, शौचालय तथा फर्नीचर आदि उपलब्ध हैं। फिर भी सभी विद्यालयों में इन सुविधाओं का स्तर सन्तोषजनक नहीं है। 8623 प्राथमिक विद्यालयों में से 8469 विद्यालयों में पर्याप्त कमरे हैं। 7516 विद्यालयों में पीने के पानी की सुविधा, 6068 में शौचालयों की सुविधा उपलब्ध है।

राज्य में 3893 माध्यमिक/उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हैं जिनमें से 3568 विद्यालयों में पीने के पानी की सुविधा, 2776 विद्यालयों में शौचालयों की सुविधा, 3489 विद्यालयों में खेल के मैदान तथा 3529 में चारदीवारी उपलब्ध है। माध्यमिक स्तर तक के विद्यालयों में ये सुविधाएं 'सर्व-शिक्षा अभियान कार्यक्रम' के अन्तर्गत पर्याप्त मात्रा में प्रदान की गई हैं। जो कि 6-14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए चलाया जाने वाला एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है जिसे भारत सरकार की वित्तीय भागीदारी से 1-4-2002 से लागू किया जाना है। सरकार ऐसी सुविधाएं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत जैसे जवाहर ग्राम समृद्ध योजना, रोजगार आश्वासन योजना, विकेन्द्रियकरण योजना, सांसद लोकल क्षेत्र विकास फण्ड योजना, हरियाणा ग्रामीण विकास निधि बोर्ड और बजट प्रावधान तथा जनता के प्रयत्नों से उपलब्ध करवाने बारे पूर्ण प्रयत्न कर रही है।

श्री अमर सिंह डांडे : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि राज्य में कुल कितने ऐसे विद्यालय हैं जिनमें मूलभूत सुविधाओं की कमी है और सरकार इस काम को पूरा करने के लिए क्या ठोस कदम उठा रही है ?

चौ. बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जहां तक कामों का सवाल है हमारे प्रदेश के अन्दर 8123 ग्रामीण विद्यालय हैं। इसमें 154 विद्यालय ऐसे हैं जिनमें कमरों की कमी है, 1107 विद्यालयों में पीने के पानी की कमी है। 2555 प्राइमरी विद्यालय ऐसे हैं जिनमें शौचालयों की कमी है। इसी तरह से माध्यमिक उच्च विद्यालय तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय क्रमश: 3568 और 3893 हैं जिनमें से 295 विद्यालयों में पीने के पानी की कमी है, 1117 विद्यालयों में शौचालयों की कमी है, 404 विद्यालयों में खेल मैदानों की कमी है और 364 विद्यालयों में चार दीवारी नहीं है। इस वर्ष के अन्तर्गत जवाहर ग्राम समृद्ध योजना के अन्तर्गत DPEP तथा NON-DPEP जिलों को एक करोड़ की राशि प्राथमिक पाठशालाओं के अतिरिक्त कमरों के निर्माण के लिए दी गई है। समस्त ग्रामीण विकास के लिए भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चार करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। इसी प्रकार से प्राइमरी ग्रामोदय योजना के अन्तर्गत 175.85 लाख रुपए की राशि राजकीय प्राथमिक पाठशालाओं के लिए अतिरिक्त कमरों के निर्माण के लिए, पीने के पानी की सुविधा के लिए और शौचालयों की सुविधा प्रदान करने के लिए स्वीकृत की गई है। 11वें वित्तीय आयोग द्वारा राजकीय माध्यमिक पाठशालाओं में अतिरिक्त कमरों के निर्माण के लिए, पीने के पानी की सुविधा के लिए और शौचालयों की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए 241.32 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। राजकीय विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने हेतु दिनांक 14-1-2002 को मुख्य मंत्री महोदय, की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया था उसमें यह सुनिश्चित किया गया था कि विद्यालयों में पीने के पानी की सुविधा 21-3-2002 तक और शौचालयों की सुविधा का कार्य जुलाई 2002 से पहले ही पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ यह भी निर्णय किया गया है कि जन-स्वास्थ्य विभाग अपने स्तर पर उपलब्ध फंडों से सभी राजकीय प्राथमिक और वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालयों में पीने के पानी की सुविधा 30-3-2002 तक उपलब्ध करवाएगा। शौचालयों के बारे में कार्यवाही वित्तायुक्त एवं सचिव, विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा की जाएगी। भूमि आयोजन जैसे कार्यों के लिए जवाहर ग्राम समृद्धि योजना, विकेन्द्रीयकरण योजना तथा हरियाणा ग्रामीण विकास योजना के अन्तर्गत फंडज उपलब्ध करवाए जाएंगे। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पधासीन हुए।)**

चौ. नफे सिंह राठी : उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में इस सरकार के आने के बाद 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के अन्तर्गत हजारों स्कूल अपग्रेड किए गए हैं, उनके कमरे बनाए गए हैं और स्कूलों की चार दीवारी भी की गई है। पिछली सरकार ने कुछ काम नहीं किया था इसलिए ये काम ज्यादा बढ़ गए

[चौ. नफे सिंह राठी]

हैं। आज हरियाणा में 3672 स्कूलों में शौचालय नहीं है और 1432 स्कूलों में पीने का पानी अब तक नहीं है। मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि क्या वे बाकी कामों को छोड़ कर जैसे कि स्कूलों की चार दीवारी बनाना, कमरे बनाना इत्यादि हैं इनको बाद में कर लिया जाए और इनकी जगह पर स्कूलों में जहां शौचालय नहीं और पीने के पानी की सुविधा नहीं है, इन कामों को प्राथमिकता देकर पूरा करने का कष्ट करेंगे। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूँगा कि बहादुरगढ़ में 1928 में एक हाई स्कूल बना था और आज वह हाई सकैण्डरी स्कूल है वहां पर हजारों बच्चे पढ़ते हैं लेकिन आज तक उस बिल्डिंग की रिपेयर नहीं हुई है। 74 साल पहले की वह बिल्डिंग है क्या उसको भी ये ठीक करवाने के लिए कुछ करेंगे ?

चौ. बहादुर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, स्कूलों में जहाँ तक पीने के पानी की सुविधा की बात है तो इस बारे में हम कोशिश कर रहे हैं कि 31-3-2002 तक यह काम पूरा हो जाए। अगर कोई कमी रह जाएगी तो 31-4-2002 तक पूरी कर दी जाएगी। इसके अलावा जो स्कूलों में शौचालय बनाने की बात है तो इस बारे में हम प्रयास कर रहे हैं और इस बारे में वित्तायुक्त एवं सचिव, विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा कार्यवाही की जानी है। यह काम जुलाई 2002 से पहले ही पूरा कर दिया जाएगा। जहां तक इन्होंने बहादुरगढ़ में स्कूल की बिल्डिंग की रिपेयर वाली बात कही है तो उस बारे में हम एस.डी.ओ. पंचायती राज विभाग और पी.डब्ल्यू.डी. (बी.एण्ड आर.) वालों से कहेंगे कि इस बिल्डिंग को चैक करें और इसका एस्टीमेटस बना कर भेजें ताकि गवर्नमैंट लैवल पर इसको टेकअप किया जा सके।

प्रो. राम भगत : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि इस सरकार ने हायर एजुकेशन और कॉलेजिज में बहुत अच्छी स्कीम चलाई हैं ऐसी ही एक स्कीम है-- "अर्न व्हाइल यू लर्न" यानि कमाएं जब आप शिक्षा पायें। इस स्कीम के द्वारा स्टुडैंट्स में पढ़ने के साथ-साथ कमाने की भावना भी पैदा होती है। वे पढ़ाई के साथ-साथ अपनी पढ़ाई का खर्चा निकाल लेते हैं। शिक्षा मंत्री महोदय से जानना चाहूँगा कि क्या इस तरह की स्कीम हम स्कूल लेवल पर लागू नहीं कर सकते जिससे इस तरह की काफी सुविधाएं वहाँ के स्टुडैंट्स द्वारा ही उपलब्ध करवायी जा सकें ?

चौ. बहादुर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सम्मानित सदस्य को बताना चाहूँगा कि कॉलेजों में यह प्रणाली हमने लागू कर दी है वहाँ पर इस बारे में बड़ी कामयाबी मिली है। स्कूलों के लिए भी हम इस तरह की प्रणाली के बारे में विचार करेंगे और उसके बाद यदि ठीक हुआ तो यह लागू करने की पूरी कोशिश की जाएगी।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना भी चाहूँगा और सदन का ध्यान आकर्षित भी करना चाहूँगा कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय देशवासियों ने स्वप्न संजोये थे कि देश शक्तिशाली और आत्म निर्भर होगा लेकिन उनके वे स्वप्न साकार नहीं हुए। विशेषकर आजादी के बाद देश भक्ति, राष्ट्रीय भावना, कर्तव्य परायणता, ईमानदारी और अनुशासन जैसे नैतिक मूल्यों का जो पतन हुआ है डी.के. ऑफ वैल्यू हुआ है उससे आज समाज में सबसे बड़ी चिंता है। उपाध्यक्ष महोदय, यह मेरी बड़ी महत्वपूर्ण सप्लीमैंट्री है। जब तक हम नैतियों मूल्यों को मजबूत नहीं करेंगे तब तक आने वाली पीढ़ियों को हम कुछ नहीं दे सकते। अगर ऐसा नहीं होगा तो डेमोक्रेसी धीरे-धीरे मबोक्रेसी और एनारकी की तरफ जाकर गलत लोगों के हाथों में चली जाती है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, हमारे स्कूलों का जो पाठ्यक्रम है उसमें जो नैतिक शिक्षा का पेपर होता है वह अब कम्पलसरी होता था लेकिन अब ऐसा सुनने में आया है कि मार्च, 2002 के बाद से नैतिक शिक्षा का जो पेपर साल में ईयरली ऐग्जामिनेशन के दौरान होता है यह नहीं होगा और न ही उस पेपर के अंक जुड़ेंगे। अब यह होगा कि जो स्कूल के अध्यापक होंगे वे ही इस पेपर के अंक लिखकर भेज देंगे कि इसके नम्बर जोड़ दिए जाएंगे। मैं मंत्री महोदय से निवेदन करूँगा और खासकर मुख्य मंत्री जी से विनम्र निवेदन करना चाहूँगा कि इसको हमें बड़ी गम्भीरता से लेना

चाहिए और पाठ्यक्रमों में बदलाव करना चाहिए। एक्सपर्टस की कमेटी बनाकर ऐसा किया जा सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे यह आग्रह है कि यह हमें जरूर लागू करना चाहिए। मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है वह भी ठीक है कि कमरे बनने चाहिएं, बाथरूम भी हों लेकिन ये सब चीजें बेमानी हैं अगर नैतिक मूल्य न हो, अगर वह वैल्यूज हों जो मैंने बतायी हैं। बाकी सारी बातें तो सैकेंडरी हैं। इसलिए मैं मंत्री महोदय और मुख्य मंत्री जी से आग्रह करूँगा कि हमें इसको बड़ी गंभीरता से लेना चाहिए।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : उपाध्यक्ष महोदय, श्री बिसला जी का क्वेश्चन बहुत अच्छा है। मैं सदन की जानकारी के लिए कहना चाहूँगा कि इसलिए ही सरकार ने अपनी शिक्षा नीति में परिवर्तन किया है। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले ताकि वे कम्पटीशन में आगे आ सकें और वे एक अच्छा नागरिक बनकर राष्ट्र के भविष्य को उज्ज्वल बना सकें। अब शिक्षा के साथ-साथ और भी दूसरी सुविधाएं जैसे साफ पीने का पानी, बाथरूम, अच्छे स्कूल के मैदान या पाठ्यक्रम एन.सी.सी. जैसी चीजें शामिल करके स्कूलों में दी गयी हैं और इसीलिए ही सरकार ने एक कल्चरल अकादमी का गठन भी किया है। उपाध्यक्ष महोदय, जिस तरह से पहले पुरानी पद्धति थी, पुरानी परम्पराएं थीं, हमारी सभ्यता और संस्कृति थी, इन सब चीजों को हम पूरी तरह से अपने बच्चों को अवगत करा सकें इसके लिए सरकार ने तो कोशिश की ही है लेकिन इसके लिए सदन का भी कोई सम्मानित सदस्य शिक्षा विभाग को अगर अच्छे सुझाव देंगे तो उनको निश्चित रूप से पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाएगा।

Setting up of New Sugar Mills in the State

*973. **Shri Nafe Singh Rathi :** Will the Minister for Co-operation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up new Sugar Mills in the State ; if so, the details thereof ?

सहकारिता मंत्री (श्री करतार सिंह भड़ाना) : जब किसी क्षेत्र में गन्ने के क्षेत्रफल एवं उत्पादन का सर्वेक्षण यह दर्शाएगा कि चीनी मिल लाभकारी सूचक होगी तब राज्य में नई चीनी मिल लगाने के प्रस्ताव पर राज्य सरकार विचार करेगी।

चौ. नफे सिंह राठी : उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो हमारे एरिया में पीने के पानी की भी कमी है लेकिन माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयास से जो एस.वाई.एल. कैनाल बनाने का आदेश माननीय सुप्रीमकोर्ट ने दिया है उससे लोगों में आस जगी है कि एस.वाई.एल. कैनाल का पानी जरूर आएगा। मुख्य मंत्री जी ने पूरे देश में जो गन्ने का रेट सबसे ज्यादा दिया है उससे लोगों में चर्चा है कि यदि हमारे एरिया में भी शूगर मिल स्थापित हो जाये तो हमें भी गन्ने का रेट 110 रुपये प्रति क्विंटल मिल जाएगा। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूँगा कि क्या झज्जर के आसपास कोई शूगर मिल स्थापित करने का सरकार का कोई प्रस्ताव है ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को इस बात से अवगत कराना चाहूँगा कि सरकार मौजूदा खेती की डायवर्सिफिकेशन की पक्षधर है इसलिए हम प्रयास कर रहे कि गन्ने का ज्यादा उत्पादन किया जाए। गन्ना एक ऐसी फसल है जो प्रकृति के प्रकोप को भी बर्दाश्त कर सकती है जिससे किसान आर्थिक तौर पर ज्यादा लाभान्वित हो सकता है। इस लिए हमने दो नयी शूगर मिल लगाई हैं। नयी शूगर मिल लगाने के लिए सर्वे कराया जाता है कि आया उस एरिया में इतना गन्ना उपलब्ध है या नहीं ? यदि किसी एरिया में इतना गन्ना उपलब्ध होगा तो उसकी क्रशिंग कैपेसिटी के हिसाब से नयी शूगर मिल लगाने पर जरूर विचार किया जाएगा।

श्री रमेश राणा : उपाध्यक्ष महोदय, करनाल क्षेत्र गन्ने का बहुत बड़ा क्षेत्र है और वहाँ पर एक को-ओपरेटिव शूगर मिल भी स्थापित है। हरियाणा के अंदर जितनी को-ओपरेटिव शूगर मिलें हैं उनमें से शाहबाद शूगर मिल के बाद करनाल शूगर मिल का दूसरा नंबर आता है जो पिराई में सबसे अग्रणी रहती है और नफे में चल रही है। मैं आपके माध्यम से सहकारिता मंत्री से निवेदन भी करना चाहूँगा और जानना भी चाहूँगा कि उसकी पिराई की क्षमता बहुत कम है उसकी क्षमता बढ़ाई जाए जिससे क्षेत्रवासियों का सारा गन्ना वह शूगर मिल ले सके और ज्यादा से ज्यादा गन्ना वहाँ पर जा सके ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो इस सवाल का जवाब पहले ही आ चुका है। करनाल शूगर मिल हमारी सरकार आने के बाद मुनाफे में आई है। उससे पहले यह मिल भारी लौस में चल रही थी। जहां तक क्रशिंग कैपेसिटी का ताल्लुक है, जितना गन्ना उपलब्ध होगा उसके मुताबिक उसकी कैपेसिटी बढ़ा दी जाएगी।

श्री उदय भान : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि पलवल सहकारी चीनी मिल फरीदाबाद और गुड़गांव जिलों की एक मात्र चीनी मिल है ? क्या सरकार वहां पर कोई सर्वे करा रही है कि कितना गन्ना वहीं उपलब्ध है और कितनी उस मिल की क्षमता है ? क्या सरकार उस मिल की क्षमता दुगुनी करने की कृपा करेगी और जिन लोगों का गन्ना मिल नहीं ले पा रही है क्या सरकार उनको मुआवजा देने पर विचार करेगी ? क्योंकि गन्ना वहां बहुत ज्यादा है, 60-65 लाख टन गन्ना है और क्षमता केवल 27 लाख टन है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, हमारी जो पलबल शूगर मिल है उसको पिछले वर्ष रिकवरी के हिसाब से ईनाम मिला है और वह देश की अग्रणी मिलों में से मानी गई है जितनी मात्रा में जहाँ गन्ना उपलब्ध होगा उसके मुताबिक क्रशिंग कैपेसिटी गन्ने के हिसाब से बढ़ा दी जाएगी।

श्री भागी राम : उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो मेरा सवाल इस क्वैश्चन से हटकर है। मैं सबसे पहले मोहम्मद इलियास जी को बधाई दूँगा कि इन्होंने वाकई में शुरू में कहा था कि मैं एक ऐसा इंजैक्शन तैयार कर रहा हूँ जिससे कांग्रेस वालों की जुबान बंद हो जाये। वाकई में आज इंजैक्शन ने काम करना शुरू कर दिया है आज एक भी कांग्रेसी बोला नहीं है यह वाकई इंजैक्शन की करामात है। (हँसी)

श्री पूर्ण सिंह डाबड़ा : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत मंत्री महोदय से जानना चाहूँगा कि शूगर मिल के बारे में हिसार जिले में सर्वे का कोई सरकार का विचार है जहां 15 हजार एकड़ जमीन गन्ने की सोइंग होती है लेकिन हिसार जिले में कोई शूगर मिल नहीं है।

श्री करतार सिंह भड़ाना : उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने सीनियर साथी को बताना चाहूँगा कि शूगर मिल के बारे में सर्वे वक्त-वक्त पर सब जगह का कराया जाता है। जहाँ गन्ना उपलब्ध होता है कहाँ गन्ने की पिराई नहीं हो पाती।

Saving Fatehabad from Floods

*1021. **Shri Lila Krishan :** Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government has formulated any scheme to prevent Fatehabad from floods; if so, the details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : फतेहाबाद को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 400 क्यूसिक की क्षमता वाले रंगोई नाला और रंगोई पथ परिवर्तन नाला (डायवर्शन) का घग्गर से निकले हुए पानी को कांपिस घग्गर नदी में लाने हेतु पहले ही निर्माण किया जा चुका है।

चौ. लीला कृष्ण : डिप्टी स्पीकर सर, बाढ़ से कई बार फतेहाबाद खत्म हो चुका है। जब संयुक्त पंजाब था तब एक बार प्रलय आई थी। फतेहाबाद जिले में घग्गर के उफान ने कैथल, बीबीपुर, जींद, गोहाना और रतिया को तबाह कर दिया है। इसलिए जब तक वहाँ पर रंगोई नाले को बनाने का इंतजाम नहीं होगा तब तक घग्गर की तबाही की रोकथाम नहीं हो सकेगी। दूसरी एक हमारे यहाँ पर बांध बनाने की प्रोपोजल थी, वह बाई-पास का काम भी करेगा। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या उस बांध को बनाने का प्रोपोजल आगे चल रहा है ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : उपाध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि मैंने भी अपने जवाब में इस बात को माना है कि रंगोई नाले की क्षमता को बढ़ाया गया, उसको डाईवर्ट किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, उसको स्ट्रैंग्थन करने के लिए फ्लड कंट्रोल बोर्ड के 30 लाख रुपये और लगेंगे। इनका प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार से डिप्टी स्पीकर सर, जिस तरीके से हमारी सरकार ने नई औद्योगिक नीति बनाई है, कृषि नीति बनाई है, नयी शिक्षा नीति बनाई है, खेल नीति बनाई है, खान नीति बनाई है, नई सड़क नीति बनाई है उसी प्रकार से हमारी सरकार का हरियाणा प्रदेश को बाढ़ रहित बनाने का भी लक्ष्य है। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुये)।** जहां तक घग्घर नदी में पानी की बात है, यह ठीक है कि जब घग्घर में पानी आता है तो फतेहाबाद के आस-पास के कई गांव इससे प्रभावित होते हैं। उस पानी को रोकने के लिए रंगोई खरीफ चैनल बनाने की योजना है ताकि एक तरफ फ्लड कंट्रोल हो जावे और दूसरी तरफ वह पानी किसानों को खेती के लिए मिल सके। 34.21 लाख रुपये की योजना बनाकर इस प्रकार की चैनल बनाने की योजना है ताकि यदि घग्घर में ज्यादा फ्लड हो तो वह पानी किसानों की खेती के काम आ सके और उस पानी का उपयोग पूरे तरीके से किया जा सके। इसके लिए फंडिंग के बारे में नाबार्ड से बात हुई है और आशा है कि फंडज स्वीकृत हो जाएंगे। जब हमारा नाबार्ड का इस बार का प्रोजैक्ट आएगा तो फतेहाबाद जिले के लिए, फतेहाबाद क्षेत्र के लिए, लीलाकृष्ण जी के क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी होगा और किसानों के लिए बहुत बड़ा वरदान होगा।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, यह पर्टीकुलर प्रश्न तो फतेहाबाद से संबंधित था लेकिन मैं कहना चाहूँगा कि करनाल और पानीपत जिले यमुना से जुड़ते हैं, वर्षा के दिनों में जब यमुना में फ्लो आता है तो करनाल और पानीपत के कुछ इलाके बहुत प्रभावित होते हैं। क्या सरकार ने फ्लड कंट्रोल बोर्ड को कोई ऐसी योजना तैयार करने के लिए कहा है जिससे यमुना के फ्लो को रोका जा सके और किसानों की बरबाद होने वाली फसलों को बचाया जा सके ?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी ने यह जानना चाहा है कि यमुना के फ्लो को रोकने के लिए पानीपत जिले के लिए कोई योजना मंजूर की गई है तो मैं इनको बताना चाहूँगा कि 2001 की बाढ़ के बाद यमुना नदी पर मिर्जापुर कम्पलैक्स को बचाने के लिए हमने एक योजना बनाई है और मंजूर की है। इसी प्रकार से यमुना नदी पर पानीपत के गोहला कम्पलैक्स को बचाने के लिए योजना बनाई गई है, इसी प्रकार एक नई योजना मिर्जापुर बांध के निर्माण की है, यमुना नदी पर ननहेड़ा कम्पलैक्स को बचाने की योजना बनाई गई है और मंजूर की गई है, यमुना से बिलासपुर कम्पलैक्स के बचाव के लिए पत्थर की 2 ठोकरों का निर्माण किया गया है। ड्राई ड्रेन. 1 की बुर्जी नं. 48610 पर गिरने वाली मथलोडा ड्रेन की बुर्जी नं. 0 से 8750 तक का निर्माण करने का प्रस्ताव है। गांव संधोली के तालाब के पानी की निकासी के लिए बुर्जी नं. 0 से 1315 तक ड्रेन बनाने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है। इसी तरह माननीय साथी ने करनाल जिले में यमुना के फ्लो को रोकने के लिए बनाई गई योजनाओं के बारे में पूछा है तो मैं इनको बताना चाहूँगा कि यमुना नदी पर मुस्तफाबाद कम्पलैक्स के बचाव के लिए पत्थर की 4 ठोकरें बनाने की योजना है, यमुना नदी पर बलेहरा कम्पलैक्स के बचाव के लिए 2 पत्थर की ठोकरों के निर्माण का प्रस्ताव है। गांव गढ़पुर टापू के धनौरा एस्केप की बुर्जी नं. 43500 पर 5 क्रोसिंग का निर्माण करने का प्रस्ताव रखा गया है। ये तीनों योजनाएं यमुना नदी पर करनाल जिले की हैं। इसी प्रकार अनेकों योजनाएं बाढ़

[श्री रामपाल माजरा]

नियंत्रण बोर्ड की 33वीं मीटिंग में मंजूर की गई हैं और अन्य योजनाएं भी नाबार्ड से मंजूर कराके उन पर काम जारी है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो हरियाणा प्रदेश को डुबोया था। जय प्रकाश जी बैठे है इनको पता है कि किस प्रकार से कलायत में बाढ़ आई थी किस प्रकार से नरवाना में बाढ़ आई थी। जब इनकी सरकार होती है तो ये सोचते हैं कि किसी प्रकार बाढ़ आ जाए, सूखा पड़ जाए ताकि किसी भी प्रकार से गलत तरीके से बिल बनाकर जनता को चूसें, सरकार का गाढ़ा पैसा किस प्रकार से खाएं, ये इस प्रकार की योजनाएं बनाते थे। हमारे गतिशील मुख्य मंत्री, प्रगतिशील मुख्य मंत्री ने जो इस प्रकार की योजनाएं बनाई हैं उससे इस प्रदेश का चहुँमुखी विकास हुआ है, उससे किसानों का, मजदूरों का, व्यापारियों का और कर्मचारियों का फायदा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, ये तो लूट मचाते थे। अब ये हाँ भी भर रहे हैं कि हाँ हम लूट मचाते थे। भजन लाल जी जब आपकी सरकार के वक्त में फ्लड आया था उस समय आपने खूब पैसा कमाया था जिसकी वजह से हरियाणा प्रदेश 1995 में तहस-नहस हो गया, सड़कों की बहुत बुरी हालत हो गई थी। लेकिन इन्होंने तो पैसा कमाने का काम किया था। अध्यक्ष महोदय, मैंने फ्लड के बारे में जो करनाल और पानीपत जिलों की योजनाएं बताई हैं तो इसी प्रकार की योजनाएं पूरे प्रदेश की हैं जो हमने बनाई हैं अगर मैं उनको भी बता दूं तो बहुत अच्छा रहेगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इनका तो झूठ का मोहल्ला है (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो. सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, ये कोई सवाल पूछते नहीं और न ही कोई सवाल देते हैं। ये केवल गैर जिम्मेदाराना काम करते हैं। अपना उत्तर दायित्व निभाने में ये फेल हैं इसलिए ये यहां इस तरह की बातें करते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब प्रश्नकाल समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Vacant Posts of Teachers

*1013. **Shri Ranbir Singh :** Will the Minister of State for Education be pleased to state--

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to fill up the Vacant posts of teachers in the Government Schools in Badhra constituency ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid posts of teachers are likely to be filled up ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह) :

(क) उपलब्ध रिक्त पदों को सीधी भर्ती तथा पदोन्नति द्वारा भरने का मामला सरकार के विचाराधीन है।

(ख) अध्यापकों के विभिन्न वर्गों की रिक्तियों को सीधी भर्ती तथा पदोन्नति द्वारा भरने के लिए विभाग द्वारा भरसक प्रयास किये जा रहे हैं।

Construction of Roads

*977. **Shri Shadi Lal Batra :** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state --

(a) whether it is a fact that the construction work of following roads of Rohtak City are lying incomplete--

(1) Kath Mandi Road ;

(2) Gohana Adda-Dayanand Math-Sukhpura Chowk ;

(3) Subhash Road in front of All India Radio Station ; and

(b) if so, the time by which the construction work of these roads are likely to be completed ?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल) : (क) तथा (ख) : टी.बी. अस्पताल से सुखपुरा चौक तक सड़क की मरम्मत का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। गोहाना अड्डा से दयानन्द मठ तक की सड़क तथा ऑल इंडिया रेडियो स्टेशन के सामने सुभाष रोड का कार्य 30 जून, 2002 तक पूर्ण होने की संभावना है। काठमण्डी सड़क की मरम्मत का कार्य 30 सितम्बर, 2002 तक पूर्ण होने की संभावना है।

Increase in D.C.R.G.

*848. **Shri Sher Singh :** Will the Minister for Finance be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to increase the minimum and maximum amount of Death-cum-Retirement Gratuity, being provided to its employees ?

वित्त मंत्री (प्रो. सम्पत सिंह) : नहीं, श्रीमान् जी, लेकिन हरियाणा सरकार अपने कर्मचारियों की भलाई का पूरा ध्यान रखे हुए है। समय-समय पर मृत्यु तथा निवृति उपदान (डी.सी.आर.जी.) नई दरों पर इस प्रकार अदा की जाती रही है :--

1. 1-1-1986 से पहले मृत्यु तथा निवृति उपदान (डी.सी.आर.जी.) की सीमा 36,000/- रुपये थी। इस सीमा को 1-1-1986 से 50,000/- रुपये तक बढ़ा दिया गया।

2. 1-1-1986 से ही वित्त विभाग के परिपत्र क्रमांक 1/4(93)-89-2 एफ.आर. II, दिनांक 2-5-1990 के द्वारा यह सीमा 1.00 लाख रुपये तक बढ़ा दी गई है।

3. हरियाणा सरकार ने भारत सरकार की पद्धति को अपनाते हुए मृत्यु तथा निवृति उपदान (डी.सी.आर.जी.) की राशि 1-4-95 से 1.00 लाख से बढ़ाकर 2.50 लाख कर दी तथा इस बारे आदेश वित्त विभाग के परिपत्र क्रमांक 1/4(93)-89-2एफ.आर.II, दिनांक 8 मार्च, 1996 द्वारा जारी कर दिये।

4. केन्द्रीय सरकार ने पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशों को मानते हुए मृत्यु तथा निवृति उपदान (डी.सी.आर.जी.) की सीमा 2.50 लाख से 3.50 लाख रुपये अपने परिपत्र दिनांक

[प्रो. सम्पत सिंह]

27-10-1997 को कर दी। बढ़ी हुई दर 1-1-1996 को लागू कर दी गई।

5. इस राज्य सरकार ने भारत सरकार की पद्धति पर चलते हुए यह निर्णय लिया कि वह भी अपने कर्मचारियों को 2.50 लाख रुपये के स्थान पर 3.50 लाख रुपये तक मृत्यु तथा निवृति उपदान (डी.सी.आर.जी.) देगी तथा इस बारे आदेश 9 मार्च, 1998 को जारी कर दिये गये जोकि 1-1-1996 से लागू हुए।

6. चूंकि इस समय मृत्यु तथा निवृति उपदान (डी.सी.आर.जी.) की सीमा केन्द्रीय सरकार के समकक्ष है, अतः इस समय सरकार के पास इस सीमा को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

Creation of Sub-division of H.V.P.N.

***1000. Shri Daryao Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to create separate Sub-division of Haryana Vidyut Prasaran Nigam for Jhajjar City and Villages of Jhajjar Constituency ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : नहीं श्रीमान।

Four laning of Delhi Rohtak Road

***942. Shri Raghuvir Singh Kadian :** Will the Chief Minister be pleased to state--

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Delhi to Rohtak road into four laning road ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) हाँ, श्रीमान् जी।

(ख) समय अवधि को अभी तक अन्तिम रूप नहीं दिया गया है।

Setting up of Industrial Growth Centre-Saha

***866. Shri Anil Vij :** Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that land for setting up of an Industrial Growth Centre at Saha, District Ambala has been acquired by the State Government ; if so, the details thereof togetherwith the time by which such Centre is likely to be set up ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : हाँ, श्रीमान् जी, साहा, जिला अम्बाला में औद्योगिक विकास केन्द्र स्थापित करने हेतु 414 एकड़ 2 कनाल 10 मरला भूमि अभिग्रहण की गई है। इस परियोजना के विकास का कार्य आरम्भ हो चुका है और सितम्बर, 2003 तक पूर्ण होने की सम्भावना है।

Draining out of Rainy Water-Tohana

***1037. Shri Nishan Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government is aware of the fact that the rainy water accumulates in Mohalla Ram Nagar of Tohana ; if so, the steps taken or proposed to be taken by the Government to remove this problem ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : हाँ, श्रीमान जी। राम नगर आबादी से हिसार-चण्डीगढ़ मार्ग तक 400 मीटर लम्बी आर.सी.सी. पाइप सीवर लाइन बिछाई जा चुकी है। बिजली से चलने वाले दो पम्पिंग सैट तथा एक डीजल से चलने वाले पम्पिंग सैट लगाए गए हैं। इस बस्ती के लिए 40 के.वी.ए. का एक डीजल जनरेटिंग सैट भी लगाया जा चुका है। इस प्रणाली में और सुधार करने का एक प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

Augmentation of Drinking Water

***833. Shri Puran Singh Dabra :** Will the Chief Minister be pleased to state the steps so far taken or proposed to be taken to augment water supply in the rural areas in the State ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : श्रीमान् जी, इस बारे में सूची सदन के पटल पर रखी गई है।

सूची

राज्य सरकार द्वारा पहले ही ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की बढ़ौतरी के लिए न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम, त्वरित ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम और सूखाग्रस्त विकास कार्यक्रम जैसे नार्मल कार्यक्रमों के अन्तर्गत कदम उठाए जा रहे हैं।

वर्ष 1999-2000 से अब तक इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत जिन गांवों में पेयजल आपूर्ति में बढ़ौतरी की गई उनका ब्यौरा नीचे दिया गया है : --

क्रम सं.	वर्ष	बढ़ौतरी किए गए गांवों की संख्या	कुल आबंटित धनराशि/व्यय (रुपये करोड़ों में)
1.	1999-2000	663	70.04
2.	2000-2001	570	57.19
3.	2001-2002	398 (31-1-2002 तक)	66.79
4.	2002-2003	500 (लक्ष्य)	64.70

इसके अतिरिक्त, बढ़ौतरी कार्यों में तीव्रता लाने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित नए पग उठाए गए हैं :

1. पेयजल आपूर्ति में बढ़ौतरी करने के लिए 519 गांवों को सम्पन्न करने वाली 207 योजनाओं के प्रोजैक्ट नाबार्ड ऋण के अन्तर्गत स्वीकृत करवाए गए हैं जिनकी कुल लागत 145.42 करोड़ रुपए है। इनमें से चालू वित्त वर्ष में 50 गांवों, वर्ष 2002-2003 के दौरान 150 गांवों तथा वर्ष 2003-2004 के दौरान 319 गांवों में पेयजल आपूर्ति वृद्धि का प्रस्ताव है।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

2. मेवात क्षेत्र में इन्टरनैशनल फंडिंग फार एग्रीकल्चर डिवैल्पमैंट (इफाड़) के अन्तर्गत पेयजल आपूर्ति सुविधाओं में बढ़ोतरी के लिए पहले 2 करोड़ रुपये उपलब्ध करवाए जाते थे। चालू वित्त वर्ष 2001-2002 के दौरान इसे बढ़ा कर 8.31 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

Approval of Crusher Zone

*1012. **Shri Krishan Pal :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to approve any crusher-zone in Ulhawas village in district Gurgaon ; if so, the details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : जी नहीं श्रीमान्।

Charges for Electricity Connection for Tubewells

*987. **Shri Dan Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether it has been made compulsory to charge Rs. 20,000/- for able connection and Rs. 5,000/- per pole from those farmers who have deposited security for Electricity connection for tubewells ; If so, the reason thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : कनैक्शन की आंशिक लागत को पूरा करने के लिए नलकूप कनैक्शनों के ऐसे आवेदकों जिनकी टैस्ट रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है उनसे 20,000 रुपये प्रति कनैक्शन जमा अतिरिक्त 7000 रुपये एच.टी. या एल.टी. के प्रति/स्पैन/पोल जमा कराने की आशा की जाती है।

Science Classes

*956. **Shri Udai Bhan :** Will the Minister of State for Education be pleased to state whether it is a fact that the Science Classes have been closed in the Government College, Hodel ; if so, the reasons thereof, togetherwith the time by which the Science Classes is likely to be restarted therein ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह) : नहीं, श्रीमान् जी।

Number of Abandoned Confiscated vehicles

*821. **Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Chief Minister be pleased to state -

(a) the number of vehilces of different types impounded, confiscated, accidental and those which were found abandoned in the State by the Police during the year 1998-99, 1999-2000, 2000-2001 and 2001 till to-date.

(b) the number of vehicles out of those referred to in part 'a' above were auctioned or allotted to any persons; if so, the names and addresses thereof ; and

(c) the number of vehicles out of those referred to in part 'a' above having fake

registration numbers togetherwith the action taken against the officials held responsible for the purpose.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : (क), (ख) और (ग) : सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

(क-1) (वर्ष 1998-1999 के दौरान)

वाहनों की संख्या

क्र.सं.	वाहनों की किस्म	पकड़ी गई	जब्त की गई	दुर्घटना ग्रस्त	लावारिस मिली	कुल योग
1.	बस/मिनी बस	122	17	695	36	870
2.	ट्रक/मिनी ट्रक	85	17	1615	50	1767
3.	ट्रैक्टर	55	12	330	7	404
4.	जीप/मैटाडोर	1550	81	1059	100	2790
5.	कार	239	89	666	104	1098
6.	मोटर साइकिल	1514	154	857	82	2607
7.	स्कूटर	1585	101	392	100	2178
8.	अन्य वाहन	783	31	1045	33	1892
	कुल योग	5933	502	6659	512	13606

(क-2) (वर्ष 1999-2000 के दौरान)

वाहनों की संख्या

क्र.सं.	वाहनों की किस्म	पकड़ी गई	जब्त की गई	दुर्घटना ग्रस्त	लावारिस मिली	कुल योग
1.	बस/मिनी बस	121	3	602	4	730
2.	ट्रक/मिनी ट्रक	115	32	1299	9	1455
3.	ट्रैक्टर	32	7	503	10	552
4.	जीप/मैटाडोर	1614	59	1026	146	2845
5.	कार	195	59	704	87	1045
6.	मोटर साइकिल	2454	127	544	193	3318
7.	स्कूटर	2362	101	437	196	3096
8.	अन्य वाहन	1197	13	902	104	2216
	कुल योग	8090	401	6017	749	15257

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

(क-3) (वर्ष 2000-2001 के दौरान)

वाहनों की संख्या

क्र.सं.	वाहनों की किस्म	पकड़ी गई	जब्त की गई	दुर्घटना ग्रस्त	लावारिस मिली	कुल योग
1.	बस/मिनी बस	135	5	570	67	777
2.	ट्रक/मिनी ट्रक	98	11	1577	60	1746
3.	ट्रैक्टर	62	8	380	7	457
4.	जीप/मैटाडोर	1554	43	924	129	2650
5.	कार	263	72	666	101	1102
6.	मोटर साइकिल	589	144	681	91	1505
7.	स्कूटर	1667	110	413	150	2340
8.	अन्य वाहन	797	37	1063	60	1957
	कुल योग	5165	430	6274	665	12534

(क-4) (वर्ष 2001-2002 (15-2-2002 तक) के दौरान)

वाहनों की संख्या

क्र.सं.	वाहनों की किस्म	पकड़ी गई	जब्त की गई	दुर्घटना ग्रस्त	लावारिस मिली	कुल योग
1.	बस/मिनी बस	252	7	426	1	686
2.	ट्रक/मिनी ट्रक	187	17	999	4	1207
3.	ट्रैक्टर	146	19	389	4	558
4.	जीप/मैटाडोर	3037	53	750	29	3869
5.	कार	502	67	718	80	1367
6.	मोटर साइकिल	5018	124	626	147	5915
7.	स्कूटर	4844	79	442	154	5519
8.	अन्य वाहन	18835	44	706	28	19613
	कुल योग	32821	410	5056	447	38734

(ख-1) नीलाम किए गए वाहनों की संख्या

क्र.सं.	वाहनों की किस्म	1998-1999	1999-2000	2000-2001	2001-2002 (15-2-2002 तक)
1.	बस/मिनी बस	0	0	0	1
2.	जीप/मैटाडोर	1	1	1	1
3.	कार	17	7	2	25
4.	मोटर साइकिल	3	6	0	41
5.	स्कूटर	13	1	1	58
6.	अन्य वाहन	4	1	0	26
	कुल योग	38	16	4	152

टिप्पणी : जिन व्यक्तियों को यह वाहन नीलाम किए गए उनके नाम व पतों की सूची परिशिष्ट ख-1 पर संलग्न है।

परिशिष्ट ख-1

नीलामी में वाहन लेने वाले व्यक्तियों के नाम व पते

जिला गुड़गांव (वर्ष 1998-99)

1. रामजी पुत्र जीतराम वासी गढ़ी हरसरू, गुड़गांव।
2. बिजयबीर पुत्र जय प्रकाश वासी सुखराली, गुड़गांव।
3. सुभाष चन्द्र पुत्र सोम प्रकाश वासी रामगढ़ मोह, भिवानी।
4. मोहम्मद अली पुत्र हाजी मोहम्मद वासी मं. नं. 1784, तुर्कमान गेट, दिल्ली-6
5. सुशील कुमार पुत्र हेमराज वासी शिवाजी नगर, गुड़गांव।
6. जोगेन्द्र सिंह पुत्र सूरत सिंह वासी मं.नं. 305/14, रोहतक।
7. नवीन कुमार पुत्र ईश्वर चन्द्र, गुड़गांव।
8. इन्द्रजीत सिंह पुत्र कुलवन्त सिंह वासी 746 भीम नगर, गुड़गांव।
9. संजय वासी कन्हयी, गुड़गांव।
10. दलबीर पुत्र जागी राम वासी 1801, यू.ई. जीन्द।
11. आनन्द पुत्र रामचन्द्र वासी कन्हयी, गुड़गांव।
12. जगदीश शर्मा पुत्र दीप चन्द वासी 461 भीम नगर, गुड़गांव।
13. अनिल कुमार पुत्र राम कुमार।
14. कुन्दन लाल पुत्र खेम चन्द वासी महाबीरपुरा, गुड़गांव।
15. राजेश कुमार पुत्र रघुबीर सिंह वासी सैक्टर-5, गुड़गांव।
16. मुकेश कुमार पुत्र हरप्रशाद वासी तिगांव, फरीदाबाद।
17. छबी नाथ पुत्र प्रमाल सिंह वासी 373/3 प्रेम नगर, गुड़गांव।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

18. सतबीर सिंह पुत्र मौजी राम वासी 288 डी.एल.एफ., रोहतक।
19. चांद खान पुत्र यासीन खान दिल्ली रोड, सोमती गंज, मेरठ (6 गाड़ियां)।
20 राजेन्द्र सिंह पुत्र शेर सिंह वासी टिकली गुड़गांव।
21. वेद प्रकाश पुत्र साबरमल वासी नकीपुर, जिला भिवानी।
22. विनय सिंह पुत्र भगवान सिंह वासी 334/ई-9 मण्डावाली, दिल्ली।
23. प्रेम सागर पुत्र भजन राम वासी 146/5 शिवाजी नगर, गुड़गांव।
24. सुनील कुमार पुत्र हरी चन्द वासी मं. नं. 27 आटो मार्कीट, भिवानी।
25. नफे सिंह पुत्र रणधीर सिंह वासी गली नं.-1 माता रोड़, गुड़गांव।
26. महीपाल पुत्र भूरे लाल वासी गली नं.-1 माता रोड़, गुड़गांव।
27. दीप कुमार पुत्र साधू राम वासी मं. नं. 288/14, रोहतक।

जिला नारनौल (वर्ष 1998-99)

28. नरेश कुमार पुत्र दया नन्द वासी पुलिस स्टेशन अटेली।
29. कृष्ण कुमार पुत्र उमराव वासी जिला नारनौल।
30. महावीर पुत्र बहादुर सिंह वासी गन्नौर (2 गाड़ियां)।
31. छोटे लाल पुत्र रामजी लाल वासी शेखपुरा।
32. अश्वनी कुमार पुत्र दलीप सिंह वासी अटेली मण्डी।
33. त्रिलोक सिंह पुत्र हरी चन्द वासी रोहतक।
34. रती राम पुत्र मूल चन्द वासी झज्जनपुर।
35. किशन दयाल पुत्र रामेश्वर वासी करनाल।
36. महावीर पुत्र बहादुर सिंह वासी गन्नौर।

गुड़गांव (वर्ष 1999-2000)

37. अतर सिंह पुत्र तारा चन्द वासी शिवाजी नगर, गुड़गांव।
38. राकेश कुमार पुत्र चन्दन सिंह वासी 324 असन्ध रोड़, पानीपत।
39. राजेन्द्र कुमार पुत्र ईश्वर सिंह वासी तलवन्डी राणा, हिसार।
40. विजय सिंह पुत्र भगवान सिंह वासी मण्डावाली, दिल्ली।
41. जयपाल पुत्र गुलाब सिंह वासी लकमी गवाला, जीन्द।
42. धर्मेन्द्र सिंह पुत्र हरी सिंह वासी तालब, झज्जर।
43. जफर पुत्र नासोर अहमद, वासी 1025/5, गुड़गांव।
44. सुरेश कुमार पुत्र दरियाब सिंह वासी सिख, पानीपत।
45. विकम सिंह पुत्र फतेह सिंह वासी फ्रेण्डज कालोनी, गुड़गांव।
46. सुभाष पुत्र मुसद्दी लाल वासी पलवल कालोनी, गुड़गांव।
47. वेद प्रकाश पुत्र साबर मल वासी नाकीपुर, भिवानी।

फरीदाबाद (वर्ष 2001-2002) (15-2-2002 तक)

48. योगेन्द्र पुत्र तेजराम वासी मं.नं. 308, जी.टी. रोड़, बल्लबगढ़।

49. आनन्द कुमार पुत्र संत सिंह वासी बीदास, गाजियाबाद।
50. कृष्ण कुमार पुत्र निहाल सिंह वासी गढ़ी मोहम्मद, रोहतक (36 गाड़ियां)।
51. गोरधन खन्ना पुत्र आर.एन. खन्ना वासी 219/डब्ल्यू मातापुरी, दिल्ली (5 गाड़ियां)।
52. विजय कुमार धनोटा राम वासी 3136, सैक्टर-28, फरीदाबाद।
53. मोहम्मद सलीक पुत्र बाबू खां वासी 563, गोबिन्दपुरी, दिल्ली।
54. मुकेश पुत्र सुखबीर सिंह वासी खाण्डा, सोनीपत।
55. अशोक कुमार पुत्र कंवर पाल वासी 984, सैक्टर-18, फरीदाबाद।
56. उमेद सिंह पुत्र भंवर लाल वासी भिवानी।
57. राज कुमार पुत्र फकीर चन्द वासी 1121, सैक्टर-18, फरीदाबाद (3 गाड़ियां)।
58. उमर सिंह पुत्र खचरा राम वासी गढ़ी मोहम्मद, रोहतक (2 गाड़ियां)।
59. कुन्दन लाल पुत्र श्री चन्द वासी एस.एल. 76 एन.आई.टी., फरीदाबाद।
60. सुरेन्द्र सिंह पुत्र उमराव सिंह वासी डी.सी. कालोनी, भिवानी।
61. जगदीश पुत्र तोता राम वासी भट्ठा हिसार।
62. दिनेश कुमार पुत्र रोशन लाल वासी 3 सी, 153 एन.आई.टी., फरीदाबाद।
63. गोरधन खन्ना पुत्र आर.एन. खन्ना वासी 219/डब्ल्यू मातापुरी, दिल्ली (4 गाड़ियां)।
64. कमल जीत पुत्र कृपाल सिंह वासी 738, सैक्टर-15, फरीदाबाद।
65. विनोद कुमार पुत्र रमेश वासी जनता कालोनी, एन.आई.टी., फरीदाबाद (2 गाड़ियां)।
66. सन्तोष कुमार पुत्र रामशरण वासी 114, एम.सी. कालोनी, भिवानी (2 गाड़ियां)।
67. उमर सिंह पुत्र खचरा राम वासी गढ़ी मोहम्मद, रोहतक (8 गाड़ियां)।
68. राज कुमार पुत्र मदन लाल वासी 3ऐ/108, एन.आई.टी., फरीदाबाद।
69. राम प्रशाद पुत्र बाजी राम वासी फरीदाबाद।
70. कमल जीत पुत्र कृपाल सिंह वासी 738, सैक्टर-15ए, फरीदाबाद।
71. तेज सिंह पुत्र सरण सिंह वासी मदन पुर खुर्द।
72. आनन्द कुमार पुत्र संत सिंह वासी बीदास, गाजियाबाद।
73. अश्वनी पुत्र राम सिंह वासी हापुड़ (उत्तर प्रदेश)।
74. अनित कुमार पुत्र किशोरी वासी ए.सी. नगर, फरीदाबाद।
75. संजय सिंह पुत्र दिबाग सिंह वासी ए.सी. नगर, फरीदाबाद।
76. रमण पुत्र देबी सिंह वासी भिवानी।
77. विराज मोहन वासी 363, सैक्टर-16, पंचकूला।
78. उमेद सिंह पुत्र भंवर लाल वासी, भिवानी।
79. प्रदीप कुमार पुत्र अर्जुन लाल वासी चरखी दादरी।
80. जय प्रकाश पुत्र इन्द्र सिंह वासी वार्ड नं. 16/226, बल्लभगढ़।
81. हरबंस सिंह पुत्र जोगेन्द्र सिंह वासी दिल्ली।
82. इन्द्र सिंह पुत्र महेन्द्र वासी एन.आई.टी., फरीदाबाद।
83. दीपक कुमार पुत्र सुभाष चन्द वासी फरीदाबाद 110 ए.आर.जी.।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

84. सन्तोष कुमार पुत्र रामसरण वासी 114, एम.सी.कालोनी, भिवानी (5 गाड़ियां)।
85. मुकेश पुत्र रामसरण वासी 2981/2, जवाहर कालोनी, फरीदाबाद।
86. सुरेश कुमार पुत्र जंगली राम वार्ड नं. 2,बहादुरगढ़।
87. अशोक कुमार पुत्र हवा सिंह निवासी लजवाना कलां, जीन्द।
88. जय प्रकाश पुत्र दया सिंह वासी नन्दगढ़, जीन्द।
89. अनूप सिंह पत्र श्याम सिंह वासी 1/92 पी.एल., गाजियाबाद (यू.पी.)।
90. मुकेश कुमार पुत्र रामधन वासी 2981/2 जवाहर कालोनी, फरीदाबाद (2 गाड़ियां)।
91. अनूप सिंह पुत्र श्याम सिंह वासी 1/92 पी.एल., गाजियाबाद (यू.पी.)।
92. कमल सिंह पुत्र जयचन्द वासी टिगान, फरीदाबाद।
93. राजेश कुमार पुत्र मान सिंह वासी 37, वार्ड नं.-4, बल्लभगढ़, फरीदाबाद। (5 गाड़ियां)
94. सुरेन्द्र सिंह पुत्र गुरबख्स सिंह वासी 588/30, फरीदाबाद।
95. उपेन्द्र सैनी पुत्र प्रीतम सिंह वासी 7470, सैक्टर-8, गुड़गांव।
96. अब्दुल रहमान पुत्र हब्दुल बाली वासी सी-322, ए.एफ. इन्क्लेव, दिल्ली।
97. राज कुमार पुत्र रामसरण वासी 37, वार्ड नं.-4, बल्लभगढ़।
98. ताकीन खां पुत्र बबीर खां वासी, एस.जी.एम. नगर, फरीदाबाद।
99. राज कुमार पुत्र जगन्नाथ वासी, सरण, फरीदाबाद।
100. मुकेश कुमार पुत्र रामधन वासी 2981/2, जवाहर कालोनी, फरीदाबाद।
101. मोहम्मद रहीम पुत्र मोहम्मद रफीक वासी 3/706, बल्लभगढ़ (4 गाड़ियां)।
102. सलीम पुत्र शामसुदीन वासी 169, ए.पी. नगर, फरीदाबाद (2 गाड़ियां)।
103. सुरेन्द्र कुमार पुत्र बरेन्द्र वासी 1502/2, फरीदाबाद।
104. नरेश कुमार पुत्र साहिब राम वासी गढ़खेड़ा, बल्लभगढ़।
105. अनित कुमार पुत्र किशोरी वासी ए.सी. नगर, फरीदाबाद।
106. रामपाल पुत्र धर्मपाल वासी फनेरा, फरीदाबाद।
107. राजेश कुमार पुत्र मान सिंह वासी 37, वार्ड नं.-4 बल्लभगढ़, फरीदाबाद।
108. विजय कुमार पुत्र मोहन लाल वासी खतेबेरी मंगला, रामगढ़।
109. मनोज यादव पुत्र फतेह सिंह, गुड़गांव।
110. सलीम पुत्र समशाऊदीन वासी 169, ए.सी. नगर, फरीदाबाद।
111. मोहम्मद अशरफ पुत्र अब्दुल रजाक वासी 169, ए.सी. नगर, फरीदाबाद।
112. जितेन्द्र कुमार पुत्र माजी राम वासी सोनीपत।
113. विनोद कुमार पुत्र राम किशन वासी 597/14, रोहतक।
114. जय प्रकाश पुत्र इन्द्र सिंह वासी 16/224 बल्लभगढ़।
115. रमेश कुमार पुत्र मान सिंह वासी 37, वार्ड नं. 4, बल्लभगढ़, फरीदाबाद (4 गाड़ियां)।
116. अमी लाल पुत्र तेजपाल वासी ओल्ड फरीदाबाद।
117. जितेन्द्र कुमार पुत्र माजी राम वासी दिल्ली।
118. श्रीचन्द पुत्र रमेश चन्द्र वासी, बल्लभगढ़।
119. मनोहर लाल पुत्र दीप चन्द वासी डी.एल./94, फरीदाबाद।
120. कैलाश चन्द्र पुत्र ओम प्रकाश वासी चरखी दादरी।

121. जगमोहन लाल पुत्र दीप चन्द वासी 51/91, एन.आई.टी., फरीदाबाद।
122. उदयबीर पुत्र अमी चन्द वासी खनेड़, फरीदाबाद।
123. राजेश कुमार पुत्र राम स्वरूप वासी लाण्डरी, हिसार।
124. राजीव पुत्र गोविन्द राम वासी 639 गोपी कालोनी, फरीदाबाद (3 गाड़ियां)।
125. बालकिशन पुत्र बिहारी लाल वासी फरीदाबाद।
126. राजेश पुत्र मान सिंह वासी 37/4, बल्लभगढ़ (5 गाड़ियां)।
127. मोहम्मद करीम पुत्र रफीक वासी 3/706, बल्लभगढ़।
128. कुन्दन लाल पुत्र दीप चन्द वासी 76, एन.आई.टी. फरीदाबाद।
129. शौकीन खां पुत्र बसीर खां वासी एज.जी.एम.नगर, फरीदाबाद।
130. नरेश चन्द पुत्र रघबीर वासी टेकनपुर यू.पी.।
131. सुरेन्द्र कुमार पत्र राम कमर वासी सोनीपत।
132. अशोक कुमार पुत्र कंवरभान वासी 984/18, फरीदाबाद।
133. ज्ञान सिंह पुत्र गिरी राज सिंह वासी मितरोल, फरीदाबाद।
134. सुरेन्द्र कुमार पुत्र राजेन्द्र वासी 1107/39, फरीदाबाद।
135. संजय कुमार पुत्र दिलबाग सिंह वासी मदीना, रोहतक।
136. संजीव कुमार पुत्र भगवान सिंह वासी कोजिन्दा, महेन्द्रगढ़।
137. मोहम्मद रफीक पुत्र मोहम्मद सदीक वासी 5/206, बल्लबगढ़।

ख-2 आबंटित किये गए वाहन

क्र. सं.	वाहनों की किस्म	1998-1999	1999-2000	2000-2001	2001-2002 (15-2-2002 तक)	जिन व्यक्तियों को वाहन आबंटित किए गए (नाम एवं पता)
1.	जीप/मैटाडोर	1				-- सतनाम सिंह पुत्र सन्तोख सिंह, रीडर/ उपायुक्त, अम्बाला।
2.	कार			4		-- लोकेश पुत्र परमानन्द वासी विवेक विहार, अम्बाला शहर। -- रमेश पुत्र राजकुमार स्टैनो / उपायुक्त, अम्बाला। -- रजिन्द्र सिंह क्लर्क/डी.पी.ओ., अम्बाला -- हरिन्द्र सिंह 305, माडल टाऊन, अम्बाला शहर।
3.	मोटर साइकिल	1	1			-- सतनाम सिंह पुत्र सन्तोख सिंह रीडर / उपायुक्त, अम्बाला। -- पंकज गोयल पुत्र ए.के.गोयल, सिटी मैजिस्ट्रेट, अम्बाला।
4.	स्कूटर			1		-- मेहर शर्मा पुत्र ओम प्रकाश, अम्बाला।
	कुल योग	2	1	5	0	

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

(ग)

क्र.सं.	वर्ष	वाहन संख्या जिनका रजिस्ट्रेशन जाली था	वाहनों के जाली रजिस्ट्रेशन हेतु जिम्मेवार कर्मचारियों के विरुद्ध की गई कार्यवाही
1.	1998-99	शून्य	शून्य
2.	1999-2000	शून्य	शून्य
3.	2000-2001	शून्य	शून्य
4.	2001-2002 (15-2-2002)	कार-50 जीप/मैटाडोर-5 मोटर साइकिल-1 कुल 56	इस सम्बन्ध में जिम्मेवार पाए गए अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सम्बन्धित कानूनी प्रावधानों के अन्तर्गत अभियोग अंकित किए गए हैं।

Filling up of Posts in Police Department

***858 Shri Ramesh Rana :** Will the Chief Minister be pleased to state--

(a) the number of posts in group 'A', 'B', 'C' and 'D' in Police Department lying vacant as on 31st December, 2001;

(b) the number of persons recruited in each group during the last five years in the aforesaid Department ; and

(c) the number of persons belonging to Scheduled Castes and Backward classes were recruited out of the persons referred to in part 'b' above ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : श्रीमान् जी, मांगी गई सूचना का विवरण सदन के पटल पर रखी है।

सूचना

(क) 31-12-2001 को ग्रुप 'क', 'ख', 'ग' तथा 'घ' के निम्नलिखित पद रिक्त थे।

ग्रुप 'क'	ग्रुप 'ख'	ग्रुप 'ग'	ग्रुप 'घ'
14	14	6307	191

(ख) उपरोक्त विभाग में पिछले पांच वर्षों में प्रत्येक ग्रुप में निम्नलिखित संख्या में भर्ती की गई :--

वर्ष	ग्रुप 'क'	ग्रुप 'ख'	ग्रुप 'ग'	ग्रुप 'घ'
1997	2	--	40	8
1998	3	--	1632	51
1999	1	--	155	34
2000	1	--	1943	37
2001	1	--	1950	63
कुल	8	--	5720	193

(ग) भाग 'ख' में दर्शाई गई नियुक्तियों में से अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्ग के सदस्य निम्नलिखित संख्या में भर्ती किए गए :--

वर्ष	ग्रुप 'क'		ग्रुप 'ख'		ग्रुप 'ग'		ग्रुप 'घ'	
	अनुसूचित जाति	पिछड़ी जाति	अनुसूचित जाति	पिछड़ी जाति	अनुसूचित जाति	पिछड़ी जाति	अनुसूचित जाति	पिछड़ी जाति
1997	--	--	--	--	1	10	3	1
1998	1	1	--	--	300	440	26	16
1999	--	--	--	--	29	58	12	9
2000	--	--	--	--	410	535	12	4
2001	--	--	--	--	353	494	18	9
कुल	1	1	--	--	1093	1537	71	39

Opening of Govt. Girls College, Biror

***951. Smt. Anita Yadav :** Will the Minister of State for Education be pleased to state whether there is any proposal consideration of the Government to open a Government College for Girls in village Biror, Distt. Jhajjar building for which has already been constructed there ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह) : नहीं, श्रीमान् जी।

Bifurcation of Power Distribution System

***889. Sh. Pawan Kumar Dewan :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any scheme with the department for bifurcation and trifurcation of heavily overloaded feeders in the Power Distribution System ; if so, the details thereof, alongwith the number of feeders bifurcated and trifurcated in the last 2 years ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : हाँ श्रीमान्, बिजली वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए अत्यधिक भार वाले/लम्बे 11 के.वी. फीडरों को द्विविभाजित/त्रिविभाजित किया जा रहा है। 282 ऐसे फीडरों की पहचान कर ली गई है तथा इन फीडरों पर कार्य वर्ष 2002-2003 के दौरान पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

पिछले 2 वर्षों के दौरान, 60 अत्याधिक भार वाले 11 के.वी. फीडरों को द्विविभाजित/त्रिविभाजित करके पहले ही 163 फीडरों में बदल दिया गया है। इन कार्यों के क्रियान्वयन से बाधाएं/ब्रेकडाऊन कम हो गए हैं तथा इससे प्रणाली की विश्वसनीयता तथा बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में काफी सुधार आया है।

शोक प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now the Chief Minister will make obituary reference.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से एक शोक प्रस्ताव सदन के सम्मुख प्रस्तुत करता हूँ।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

अध्यक्ष महोदय, यह सदन श्री सोहन सिंह, स्वतन्त्रता सेनानी के 19 मार्च, 2002 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। ये ग्राम मंधार जिला-यमुनानगर के रहने वाले थे।

उनका जन्म 1917 में हुआ। वह 1939 से 1945 तक आजाद हिन्द फौज में कार्यरत रहे। उन्होंने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के साथ स्वतन्त्रता आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया और कई बार जेल गये। उन्हें 1972 में 'ताम्र-पत्र' से सम्मानित किया गया। उन्हें 1985 में राज्य सरकार द्वारा भी सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी व सच्चे देश भक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौ. भजन लाल (आदमपुर) : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने शोक प्रस्ताव रखा है उसमें हम सब भी अपने आपको शामिल करते हैं और इस शोक प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। लेकिन मैं आपसे एक अनुरोध करना चाहूँगा कि जो भी शोक प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री जी सदन में रखें, उसकी एक प्रति हमें भी मिलनी चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि कई मरतबा अचानक शोक प्रस्ताव आ जाते हैं जिसके कारण सभी सदस्यों को प्रति नहीं दी जाती। यही कारण है कि अचनाक शोक प्रस्ताव आने पर सेशन के बीच में ही इसको सदन में रखा जाता है।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव हाउस में रखा है, उसके साथ मैं भी अपने आप को जोड़ता हूँ। शोकाकुल परिवार को सदन की संवेदना पहुँचा दी जायेगी। अब मैं दिवंगत आत्मा के सम्मान में श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए सदन के सभी सदस्यों को खड़ा होने के लिए अनुरोध करूँगा।

(इस समय सदन ने दिवंगत आत्मा के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, पलवल शुगर मिल की पिराई के बारे में मैंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आपके विचाराधीन दिया था। वहां पर इस मिल द्वारा पिराई न करने के कारण किसानों का बहुत ज्यादा गन्ना खेतों में खड़ा है।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आपका यह प्रस्ताव डिस अलाउ कर दिया गया है, प्लीज आप बैठें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इसमें तो कोई बड़ी बात नहीं है।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, बड़ी बात नहीं है इसीलिए इसको डिस अलाउ किया गया है। गन्ने की खरीद के बारे में प्रश्न भी आ चुका है और गन्ना खरीदा भी जा रहा है इसलिए आप बैठें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूँ कि चौधरी सम्पत सिंह जी और करतार सिंह भड़ाना जी मुझे आश्वासन दे दें कि पलवल के किसानों का सारा गन्ना पलवल शुगर मिल खरीदेगी।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि किसान का पूरा गन्ना खरीदने बारे माननीय मुख्य मंत्री जी पहले ही आश्वासन दे चुके हैं।

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूँगा कि हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने, सहकारिता मंत्री जी ने और कृषि मंत्री जी ने अनेकों अवसरों पर किसानों को

आश्वासन दिया है कि उनका एक-एक गन्ना खरीदा जायेगा। श्री कर्ण सिंह जी भी हरियाणा में ही रहते हैं। स्पीकर सर, जिस समय स्वर्गीय देवी लाल जी मुख्य मंत्री थे उस समय भी गन्ने की खरीद का समय 6 महीने तक चलता था और मैं पूरे सदन को on behalf of Chief Minister आश्वासन देता हूँ कि किसानों का हरियाणा प्रदेश में एक-एक गन्ना खरीदा जायेगा (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बैठें। मंत्री जी ने आश्वासन दे दिया है कि किसानों का पूरा गन्ना खरीदा जायेगा। यह किसान की मर्जी है कि वह अपना गन्ना कहां बेचेगा।

चौ. जय प्रकाश बरवाला : स्पीकर सर, जैसा कि मंत्री जी कह रहे हैं कि एक-एक गन्ना खरीदा जायेगा तो मैं इस बारे में एक बात कहना चाहूँगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, प्लीज आप बैठें क्योंकि अभी मंत्री जी ने आश्वासन दे दिया है कि किसानों का सारा गन्ना खरीदा जायेगा।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : स्पीकर सर, अब ये किसानों के गन्ने की बात कर रहे हैं लेकिन जिस समय इनकी सरकार थी उस समय इन्होंने गन्ने का भाव 50 पैसे प्रति क्विंटल बढ़ाया था और जब किसानों ने इसका विरोध किया तो इन्होंने किसानों पर लाठियां चलवाई, गोलियां चलवाई और न जाने किसानों पर क्या-क्या जुर्म करवाये लेकिन आज ये किसानों का गन्ना खरीदने की बात कर रहे हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, ये गन्ने की बात करते हैं, इनके समय में तो गन्ने की बहुत बुरी हालत हुई थी। (शोर एवं विघ्न) This Government is very much concerned about the farmers. अब गेहूं की फसल के बारे में भी मुख्य मंत्री जी ने कह दिया है कि किसानों का एक-एक दाना सरकार खरीदेगी। (शोर एवं विघ्न)

चौ. भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ये हमारे बारे में कहते हैं कि हमने गन्ने का रेट एक रुपये से कम बढ़ाया था। (शोर एवं विघ्न) हम मानते हैं आप काबिल मंत्री हो, लेकिन गलत बात तो न कहो। (शोर एवं विघ्न)

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, कभी ये चार साल का जिक्र करते हैं तो कभी ये तीन साल का जिक्र करते हैं। (शोर एवं विघ्न) यह पूरे देश का रिकॉर्ड है कि सबसे ज्यादा गन्ने का रेट चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की सरकार के नेतृत्व चलने वाली सरकार ने किसानों को दिया है। (शोर एवं विघ्न)

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the Motion under Rule 15.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move --

That the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly' idefinitely.

Mr. Speaker : Motion moved--

That the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly' indefinitely.

Mr. Speaker : Question is --

That the proceedings on the items of Business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly' indefinitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the Motion under Rule 16.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move --

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker : Motion moved --

That the Assemply at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr Speaker : Question is --

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

The motion was carried.

समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

प्राक्कलन समिति की 33वीं रिपोर्ट

Mr. Speaker : Now, Shri Krishan Lal Panwar, Chairperson, Committee on Estimates will present the Thirty Third Report of the Committee on Estimates for the year 2001-2002 on the Budget Estimates for 2001-2002 Excise and Taxation Department.

Chairperson, Committee on Estimates (Shri Krishan Lal) : Sir, I beg to present the Thirty Third Report of the Committee on Estimates for the year 2001-2002 on the Budget Estimates for 2001-2002 Excise and Taxation Department.

विधान कार्य

(i) दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं. 1) बिल, 2002

Mr. Speaker : Now the Finance Minster will introduce the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 2002 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 2002.

Sir, I also beg to move –

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion Moved –

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is –

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker : Question is –

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker : Question is –

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker : Question is –

That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker : Question is –

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is –

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is --

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move --

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved --

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is --

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(ii) दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं. 2) बिल, 2002

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 2002 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 2002.

Sir, I also beg to move--

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved --

That the Haryana Appropriation (No. 2) Bill be taken into consideration at once.

श्री कृष्ण लाल (असंध) (अनुसूचित जाति) : स्पीकर सर, मैं हरियाणा एप्रोप्रिएशन बिल नं. 2 पर बोलना चाहता हूँ। हरियाणा प्रदेश एक किसान प्रधान प्रदेश है। किसान प्रधान प्रदेश होने के नाते किसान के स्तर को ऊपर उठाया जाए यह सरकार का कर्त्तव्य बनता है। आज चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार ने हरियाणा प्रदेश के किसानों को अच्छी सहूलियतें दी हैं। किसानों को पूर्ण रूप से बिजली मिल्ती है, पानी मिला है जिससे किसानों ने एग्रीकल्चर क्षेत्र में अच्छी प्रोडक्शन करके अच्छी फसल पैदा की और इसी कारण हरियाणा प्रदेश ने जो सैंट्रल पूल में रिकॉर्ड अनाज देने का काम किया है उसके लिए हरियाणा सरकार बधाई की पात्र है। स्पीकर सर, सबसे पहले मैं बिजली के बारे में कहना चाहूँगा क्योंकि गवर्नर एड्रैस और बजट पर सभी साथियों ने अपने-अपने विचार रखे लेकिन उस समय मुझे बोलने का अवसर नहीं मिल सका था। अध्यक्ष महोदय, जो हरियाणा प्रदेश की 36 बिरादरी हैं जिनमें किसान, मजदूर, व्यापारी और दुकानदार सभी शामिल हैं, उन सब को बिजली की जरूरत

पड़ती है इसलिए मैं बिजली के विषय में बोलना चाहता हूँ और यह बता देना चाहता हूँ कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी और बहन मीनाक्षी आनन्द जो एच.बी.पी.एन. की चेयरपर्सन हैं, ने इतनी मेहनत की कि जिससे आज हरियाणा प्रदेश के अन्दर बिजली पूर्ण रूप से मिल रही है, इस विषय पर ही मैं बोलना चाहता हूँ। जुलाई, 1999 में यह हरियाणा सरकार बनी और 1999 के बाद जिस प्रकार हरियाणा सरकार ने हमारी बिजली का लोड फैक्टर बढ़ाया है उसके विषय में बताना चाहूँगा क्योंकि हमारा जो पुराना लोड फैक्टर 49.2% था उसको हमारी सरकार ने बढ़ा कर 59.38% किया है। इसी के साथ जो हमारा दैनिक विद्युत उत्पादन था वह इस सरकार के आने के बाद 96 लाख यूनिटस से बढ़कर 136 लाख यूनिटस प्रति दिन हो गया है। यह 43 प्रतिशत के करीबन वृद्धि हो गई है। इसी तरह से अब प्रति यूनिट कोयले की हमारी जो खपत है वह 838 ग्राम से घटकर 791 ग्राम हो गई है। जिसके कारण 73.76 करोड़ रुपये का हरियाणा सरकार को फायदा हुआ है। इसी प्रकार से जो फ्यूल कंज्मपशन है वह 12.70 मिली लीटर से घटकर 3.42 मिली लीटर हो गई है जिस से 83.41 करोड़ रुपये की सरकार को बचत हुई है। इसी तरह से एग्जलरी खपत 12.04 से घटकर 11.16 प्रतिशत हो गई है।

स्पीकर सर, इसी प्रकार से मैं पानीपत थर्मल प्लांट के बारे में खास करके जिक्र करना चाहूँगा। जब इस बारे में बात होती है तो चौधरी बंसी लाल जी यह कहते हैं कि मैंने ही यह थर्मल प्लांट बनवाया है जबकि विपक्ष की किसी भी सरकार ने कोई थर्मल प्लांट नहीं लगाया है। स्पीकर सर, पानीपत में जो 210 मैगावाट का 5वां और छठा यूनिट है उसके बारे में चर्चा करना चाहूँगा। हम कोई भी प्लांट लगाते हैं तो उसको बनने में कम से कम 3 साल लग जाते हैं। 1987 में जब चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री बने थे तो उन्होंने वहां पर युद्ध स्तर पर काम शुरू करवाया था। इसके बाद जब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी 1991 में मुख्य मंत्री बने उस समय पांचवा यूनिट जो कि 210 मैगावाट का था, उसने लोड देना शुरू कर दिया था। यह रिकॉर्ड की बात है और उस समय वहां के कर्मचारियों को इसके लिए इन्सैंटिव भी मिला था। इसी प्रकार से जो छठा यूनिट है, चौधरी देवी लाल जी के समय में उसकी पायलिंग का काम भी 100 प्रतिशत हो गया था और 158.6 करोड़ रुपए के वर्क ऑर्डर कर दिए गए थे। जिसमें से 100 करोड़ रुपए का सामान पांच साल तक चौधरी भजन लाल जी के राज में और तीन साढ़े तीन साल तक चौधरी बंसी लाल जी के राज में पड़ा रहा था। लेकिन उसको उठाया नहीं गया था। मैं धन्यवाद करता हूँ चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी का कि इन्होंने अपनी सरकार के आने के बाद उस सामान को उठाया और उस छठी यूनिट को इतनी जल्दी तैयार करवाया। आज 210 मैगावाट के लोड पर वह प्लांट 50 लाख यूनिट हर रोज बिजली तैयार कर रहा है। इसी तरह से चौधरी बंसी लाल जी ने पानीपत के थर्मल प्लांट की यूनिट एक और यूनिट दो का लोड बढ़ाने के लिए जर्मनी की एक कम्पनी ए.बी.बी. को ठेका दिया था। कितना लोड बढ़ाने के लिए यह ठेका दिया था इसके बारे में स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूँगा। यह ठेका उस कम्पनी को 110 मैगावाट से 118.8 मैगावाट करने के लिए दिया था।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि ये पर्सनली छींटाकसी न करें। अगर ये पर्सनली छींटाकसी करेंगे तो फिर मुझे भी पर्सनल एक्स्पलेनेशन देनी पड़ेगी।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, बंसी लाल जी, अब आप बैठें।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको यह बताना चाहूँगा कि यह नाम इसलिए लिया जाता है कि बावजूद विरोध के इन्होंने कमीशन खाने के लिए उसका ठेका जर्मन की कम्पनी ए.बी.बी. को दे दिया। उस समय मैंने और चौधरी भजन लाल जी ने इसका विरोध किया था। (शोर एवं व्यवधान) आप पहले मेरी बात तो सुन लें। (शोर एवं व्यवधान)

चौ. बंसी लाल : *******।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी जो भी बोल रहे हैं वह रिकॉर्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : बंसी लाल जी, आप सुनने की हिम्मत रखें। आपके कमीशन खाने के बहुत से किस्से हैं जो मेरे पास हैं। उनके बारे में मैं यहां पर कई दफा बता भी चुका हूं। अगर सारे किस्से फिर से दोहराऊंगा तो आप फिर बोलने लग जाएंगे। (शोर एवं व्यवधान) अगर मेरा इस तरह का कोई मामला हो तो आप बताएं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सारे सदन को बताना चाहूँगा, वैसे सब को इस बात की जानकारी भी है कि मैंने एक दफा लिखित में बयान दिया था और हम तीनों के लिए कहा था कि चौधरी भजन लाल, चौधरी बंसी लाल और मैं खुद सुप्रीम कोर्ट में जाएं और यौरोली इन्क्वायरी करवाएं कि किस के पास पुश्तैनी क्या था और राजनीति में आने के बाद में क्या है। अध्यक्ष महोदय, लेकिन ये दोनों कोर्ट में नहीं पहुंचे थे जबकि मैं वहां पर पहुंच गया था। आज ये इन्क्वायरी वाली बात करते हैं जबकि उस समय ये वहां पर नहीं पहुंचे थे और बिल में घुस गए थे। (शोर एवं व्यवधान) इस बारे में मैं आपको प्रैस की कटिंग प्रस्तुत कर दूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

चौ. बंसी लाल : अगर ऐसी बात है तो आप आज तीनों के खिलाफ लिखकर सी.बी.आई. को केस भेज दो और उनसे इन्क्वायरी करवा लो।

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, आप बैठ जाएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अभी मैंने आपको कल ही तो बताया था और आपने उस बारे में तसलीम भी किया था कि रघुबीर सिंह पुत्र मोहर सिंह इनका ठेका लिया करता था।

चौ. बंसी लाल : वह मेरा भाई है। *******

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, आप बैठ जाएं। इनकी बात रिकॉर्ड नहीं की जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपके भाई के नाम पर जो ठेका था उनसे सरकार को 40 हजार रुपये मिलते थे। (शोर एवं व्यवधान) जहां पहले सरकार को केवल हजारों रुपए मिलते थे वहां आज करोड़ों रुपए मिलते हैं। चौधरी बंसी लाल जी, यह रिकॉर्ड की बात है। आपने एक जर्मन कम्पनी ए.बी.बी. को पानीपत थर्मल प्लांट की यूनिट I और यूनिट II का जो 110 मैगावाट की थीं, उनका लोड़ बढ़ाने का ठेका दिया था और आपके साढ़े तीन साल के शासन काल से लेकर वह अब तक भी खुला पड़ा हुआ है और वहां पर 50-60 करोड़ रुपए का सामान सरकार का है इससे 300 करोड़ का नुकसान हो गया है। साढ़े तीन साल हो गये अब तक वह खुला पड़ा है। अध्यक्ष महोदय, 6 साल हो गये लोगों को अब तक बिजली उपलब्ध नहीं हो पायी है।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने तो उसका कंट्रैक्ट दे दिया था लेकिन इन्होंने कमीशन खाने के चक्कर में ऐसा किया। ********

श्री अध्यक्ष : अब बंसी लाल जी की बात रिकॉर्ड न करें क्योंकि ये बगैर परमिशन के बोल रहे हैं।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ******

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये बातें असैम्बली के रिकॉर्ड में हैं। मैंने तो उस वक्त भी कहा था कि ये उसका ठेका कमीशन खाने के लिए दे रहे हैं इसको न दिया जाए लेकिन फिर भी इन्होंने वह ठेका दे दिया।

चौ. बंसी लाल : ********

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी आप बैठिए।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरी बात को नहीं माना। उस समय जो ई.आई.सी. रिटायर्ड मि. पाठक थे उन्होंने भी यही कहा था कि एस.वाई.एल. नहर टेल के बजाय मूड से शुरू करवाओ। उन्होंने यह कहा था कि जो ड्रैन होती हैं वह टेल से खुदती हैं और नहरें मूड से खुदती हैं।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ये एक गलत बात को बार-बार कहकर सच्ची करना चाहते हैं लेकिन ऐसा हुआ नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : नहीं-नहीं, वह बात सच्ची ही है और मैं तो उस बात को फिर दोहराने लग रहा हूँ। अध्यक्ष महोदय, ये भी उस बात को मान रहे हैं और इन्होंने सदन में भी यह माना है।

चौ. बंसी लाल : मैं नहीं मान रहा हूँ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जिस आदमी ने करोड़ों रुपये लगाकर वह नहर गोधवलावा से बनवा दी और उसके बाद आज वह स्वयं विधान सभा में कहता है कि जब तक पंजाब से पानी न मिल जाए तब तक अभी एस.वाई.एल. नहर की मरम्मत क्यों करवायी जाए। अब इनको उसकी मरम्मत पर भी आपत्ति है।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि उसकी मरम्मत न करवाओ बल्कि मैंने यह कहा था कि इधर से उस पर काम शुरू तब करें जब उधर से पंजाब उस नहर पर काम शुरू कर दे। यह आप रिकॉर्ड निकलवाकर देख ले मैंने यही कहा है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी साहब, फिर गोधवलावा गांव से लेकर पंजाब बोर्डर तक आपने वह नहर क्यों बनवायी थी ? मूनक तक वह नहर क्यों बनवायी थी, पंजाब बोर्डर तक किस लिए बनवायी थी ?

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर उस समय मैं वह नहर न बनवाता तो पंजाब से क्या कह कर पानी मांगता ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ये बताएं तो सही कि इन्होंने वह नहर बनवायी किस लिए थी ? आज तो ये उसकी मरम्मत के लिए कहते हैं कि न करवाओ।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, उस समय मैंने तो वह तीस करोड़ रुपये में बना दी थी जबकि अब उसकी रिपेयर पर ही 12 करोड़ रुपये लगने का अनुमान है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये फिर उस समय मि. पाठक की बात को मानकर पानी आने के साथ ही उसको बनाते। केवल कमीशन खाने के लिए ही इन्होंने वह नहर उस समय बनवायी थी क्योंकि हरियाणा में जो इस नहर का कंस्ट्रक्शन हुआ था उसमें इनको कमीशन मिलता था जबकि पंजाब में होने वाले कंस्ट्रक्शन पर इनको कमीशन नहीं मिलता था। इनकी कमीशन खाने की तो पुरानी आदत है।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, *******

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी की बात रिकॉर्ड न की जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कमीशन खाने के लिए तो बंसी लाल जी बाथरूम में भी जा लिए थे।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ********

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, अब आप बैठें। पंवार साहब, आप कन्टीन्यू करें।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री कृष्ण लाल : स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि तीन सौ करोड़ रुपये की लागत पर ए.बी.बी. कम्पनी को यूनिट एक और यूनिट दो का ठेका इनका लोड़ बढ़ाने के लिए दिया गया था। वहां पर जो पहली यूनिट 110 मैगावाट की थी उसको चार महीने का समय दिया गया था कि चार महीने में वह यूनिट तैयार कर दें लेकिन तीन साढ़े तीन साल तक वे दोनों यूनिट बंद रही। हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और बहन मीनाक्षी आनन्द ने उस पानीपत थर्मल प्लांट की 110 मैगावाट की दूसरी यूनिट की जिस का ए.बी.बी. कम्पनी को ठेका दिया था, ओवरहालिंग की है। इसमें इलैक्ट्रो स्टेटिक प्रोसपीटेटर, इण्डू, ड्राफ्टफैन, फोर्स ड्राफ्टफैन, प्राइमरी एयर फैन और बाथलर्ज की कुछ ट्यूब्ज बगैरा को बदलकर उसकी ओवरहालिंग की है और केवल पांच करोड़ रुपये का खर्चा किया है। अब इस यूनिट का 114 मैगावाट तक लोड फैक्टर बढ़ा है। इस यूनिट को 114 मैगावाट तक चलाया गया है। इन्होंने इन दोनों यूनिटस का ठेका तीन सौ करोड़ रुपये में दिया था जबकि अब दूसरी यूनिट पर केवल पांच करोड़ रुपया ही खर्च किया गया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, क्या बंसी लाल जी की अब भी तसल्ली नहीं हुई ? इन्होंने जिन दो यूनिटस का ठेका किया था उसमें से एक यूनिट तो चालू हालत में नहीं है लेकिन मौजूदा सरकार ने दूसरी यूनिट को केवल पांच करोड़ रुपये लगाकर तैयार करवा दिया और अब वह दनादन बिजली देने लग रही है। पहली वाली यूनिट के लिए हमें अदालत के दरवाजे खटखटाने पड़ रहे हैं। इन्होंने तीन सौ करोड़ रुपये का नुक्सान करवा दिया।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने दोनों यूनिटस का नहीं बल्कि चारों यूनिटस का ठेका दिया था और कानून कायदे के हिसाब से दिया था। बाकायदा एक्सपर्टस को ऐग्जामिन करवाकर दिया था। अब अगर ये उनसे पैसा मांगेंगे तो वे जर्मनी वाले इनको पैसा क्यों देंगे ?

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, आप बैठिए। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि ताऊ देवीलाल पानीपत थर्मल प्लांट मेरे क्षेत्र में है। उस प्लांट की यूनिट नं. दो का ए.बी.बी. कम्पनी अधूरा सामान छोड़कर चली गई थी।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, वह इसलिए छोड़कर चली गयी क्योंकि ये उनसे कमीशन मांगते थे।

श्री अध्यक्ष : नहीं-नहीं, कोई कमीशन की बात नहीं है। मैं इस मामले के बारे में आपसे ज्यादा जानता हूँ। वह कम्पनी तो छोड़कर चली गयी और दूसरी यूनिट ने काम नहीं किया। अगर वह कम्पनी उसको टाइम पर बनाती तो दिक्कत न आती। चाहे 110 मैगावाट के बजाए 118 मैगावाट बिजली मिलती या 110 मैगावाट बिजली ही मिलती, अगर यह सरकार उसका काम शुरू न करती तो जो लगातार इतनी बिजली का नुक्सान हुआ है वह होता रहता। वह कई सौ करोड़ रुपयों का मामला है। इसके कारण किसान और व्यापारी सभी परेशान है। वह एक इंटरनेशनल कंटैक्ट है। यदि सुओ मोटो स्टेट गवर्नमैंट उसको कह देती कि आप भागिए तो यह भी बड़ा मुश्किल था। स्टेट गवर्नमैंट यह भी नहीं कह सकती कि आप छोड़कर जाइये क्योंकि इसके भी आर्बीट्रेशन तथा दूसरे और चक्कर होते हैं। इसलिए मैं कहना चाहूँगा कि वाकई में इस बात से बड़ा नुक्सान हुआ है।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों मुझे विदेश जाने का अवसर मिला। जब मैं हालैंड से जर्मनी जा रहा था तो मुझे ट्रेन के अंदर ए.बी.बी. कम्पनी लिखा हुआ मिला। मैं जब वापसी में आया तो मेरे मन में इस बात की पीड़ा थी कि हरियाणा प्रदेश ने पानीपत थर्मल पावर प्लांट के दो यूनिट का लोड़ बढ़ाने का ठेका ए.बी.बी. कम्पनी को दिया है क्या वह इस कार्य को करने की क्षमता रखती है या नहीं ? धीरपाल जी मेरे साथ थे हमने जाकर देखा कि वह कम्पनी इस कार्य को करने की क्षमता नहीं रखती थी। इन्होंने केवल कमीशन खाने के लिए इस कम्पनी को ठेका दिया था। ऐसी कम्पनियों को ठेका देकर बिजली बोर्ड, थर्मल प्लांट व हरियाणा प्रदेश को लूटने का काम किया था। अपनी रिप्लाई में सी.पी.एस. महोदय ने बताया था कि यमुनानगर में बनने वाले पावर प्लांट का ठेका चौधरी भजन लाल जी ने आइजनबर्ग नाम की कम्पनी को दिया था। जब राम पाल माजरा जी विदेश यात्रा पर

गए थे तो उन्होंने इस कम्पनी के बारे में जानकारी ली थी। इन्हें पता लगा कि यह कम्पनी खिलौने, सुर्खी, बिंदी व काजल आदि सामान बनाने का काम करती थी। थर्मल प्लांट पर काम करने का इस कम्पनी का कोई ऐक्सपीरियैंस नहीं था। इस प्रकार से इन्होंने थर्मल प्लांट और बिजली बोर्ड को लूटने का काम किया है। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से हमारे प्लांट लोड फैक्टर के हिसाब से हरियाणा में थर्मल पॉवर स्टेशनों में किस सरकार के समय में कितना लोड बढ़ा है, यह मैं बताना चाहूँगा। 1991 में जब चौधरी भजन लाल जी की सरकार थी उस समय विद्युत उत्पादन 32761 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 45.76 था, 1992-93 में विद्युत उत्पादन 35719 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 50.03 था, 1993-94 में विद्युत उत्पादन 28850 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 40.41था, 1994-95 में विद्युत उत्पादन 31912 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 44.70 था, 1995-96 में विद्युत उत्पादन 30658 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 42.82 था, 1996-97 में विद्युत उत्पादन 34029 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 47.66 था, 1997-98 में विद्युत उत्पादन 35107 लाख यूनिट था व प्लांट लोड फैक्टर 99.19 था, 1998-99 में विद्युत उत्पादन 35134 लाख यूनिटस था व प्लांट लोड फैक्टर 49.24 था, 2000-01 में विद्युत उत्पादन 35506 लाख यूनिटस था व प्लांट लोड फैक्टर 49.73 था, 2001-02 में विद्युत उत्पादन 45653 लाख यूनिटस था व प्लांट लोड फैक्टर 60.08 था। इसी प्रकार से स्पीकर सर, तेल खपत में और कोयले की खपत में प्रति यूनिट में जो कमी आई उसके बारे में मैं बताना चाहूँगा। 1991-92 में 16.75 मिली लीटर प्रति यूनिट तेल खपत थी व कोयले की खपत 800 ग्राम प्रति यूनिट रही, 1992-93 में तेल की खपत 13.77 व कोयले की खपत 797 ग्राम रही, 1993-94 में तेल खपत 15.22 व कोयले की 814 ग्राम रही, 1994-95 में तेल खपत 14.15 व कोयले की खपत 788 ग्राम रही, 1995-96 में तेल खपत 17.59 व कोयला खपत 818 ग्राम रही, 1996-97 में तेल खपत 18.63 व कोयला खपत 844 ग्राम रही, 1997-98 में तेल खपत 12.99 व कोयले की खपत 843 ग्राम रही, 1998-99 में तेल खपत 12.70 व कोयले की खपत 838 ग्राम रही, 1999-2000 में तेल खपत 6.38 व कोयले की खपत 803 ग्राम रही। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आने के बाद तेल की खपत 12.70 मिली लीटर प्रति यूनिट से कम होकर 6.38 मिली लीटर प्रति यूनिट हुई व आगे चलकर 2000-01 में 5.97 मिली लीटर प्रति यूनिट हो गई व कोयले की खपत 816 ग्राम हो गई व 2001-02 में और घटकर यह 3.42 मिली लीटर प्रति यूनिट तक पहुंच गई व कोयले की खपत 791 ग्राम पर पहुंच गई। अध्यक्ष महोदय, आप अंदाजा लगाएं कि हमारी सरकार तेल खपत 16.75 मिली लीटर प्रति यूनिट से घटाकर 3.42 मिली लीटर प्रति यूनिट पर ले आयी है और काफी बचत की है, इसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। अब मैं लाइन लौसिज के बारे में कहना चाहूँगा। पिछली सरकारें 30 से 32 परसैंट तक लाइन लौसिज दिखाती रही हैं। लेकिन हमारी सरकार आने के बाद 2001-02 में हरियाणा विद्युत नियामक आयोग ने अपने टैरिफ आर्डर में यह स्पष्ट किया है कि असल में हरियाणा में अधिक लाइन लौसिस हो रहे हैं। वर्ष 2000-01 के लिए 47.71 प्रतिशत लाइन लोसिस आये थे जिनको सरपल्स कह सकते हैं। लेकिन इस सरकार ने ठोस कदम उठाकर लाइन लोसिज को घटाकर 38.26 प्रतिशत तक किया है और इन दो वर्षों के अन्दर लाइन लोसिज कम करने का सरकार का लक्ष्य 9.45 प्रतिशत का है। इसी प्रकार स्पीकर सर, 1996-97 से मार्च 2002 तक पावर सप्लाई प्रदेश में कितनी की गई उसके आंकड़े भी मैं बताना चाहता हूँ। अप्रैल 1996-97 में 333 लाख यूनिट प्रतिदिन, मई 1996-97 में 371 लाख यूनिट प्रतिदिन, जून 1996-97 में 361 लाख यूनिट प्रतिदिन, जुलाई, 1996-97 में 398 लाख यूनिट प्रतिदिन, 1996-97 अगस्त में 385 लाख यूनिट प्रतिदिन, सितम्बर में 371, अक्टूबर में 359, नवम्बर में 353, दिसम्बर में 339 जनवरी में 312, फरवरी में 317 और मार्च में 319 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है इसी तरह से पावर सप्लाई का एवरेज 348 लाख यूनिट प्रतिदिन का है। इसी प्रकार से वर्ष 1997-98 में अप्रैल में 303, मई में 334, जून में 338, जुलाई में 396, अगस्त में 378, सितम्बर में 399, अक्टूबर में 311, नवम्बर में 306, दिसम्बर में 329, जनवरी में 285, फरवरी में 306 और मार्च में 320 और एवरेज 348 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है। इसी प्रकार से वर्ष 1998-

[श्री कृष्ण लाल]

99 में अप्रैल में 334, मई में 364, जून में 394, जुलाई में 424, अगस्त में 422, सितम्बर में 378 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है, (शोर एवं व्यवधान)

चौ. भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इतने लम्बे डिसकशन की बात नहीं है मेरा आपसे निवेदन यह है कि इस स्टेटमैंट की एक कापी का प्रैस नोट बनाकर प्रैस में दे दिया जाये उसको ही हम भी देख लेंगे।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप बैठिये।

श्री कृष्ण लाल : चौधरी भजन लाल जी, इस में एक परसेंट का भी फर्क नहीं है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, बिजली का रेट कितना बढ़ाया है यह भी बता दें।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, 1998-99 में अक्टूबर में 316 लाख यूनिट प्रतिदिन, नवम्बर में 335, दिसम्बर में 371, जनवरी में 382, फरवरी में 369 और मार्च में 328 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है इस तरह से पावर सप्लाई का एवरेज 367 लाख यूनिट प्रतिदिन का रहा है और इसी प्रकार वर्ष 1999-2000 में अप्रैल में 332, मई में 381, जून में 424, जुलाई में 469, अगस्त में 488, सितम्बर में 484, अक्टूबर में 398, नवम्बर में 379, दिसम्बर में 397, जनवरी में 359, फरवरी में 366 और मार्च में 343 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है इस तरह से एवरेज 416 लाख यूनिट प्रतिदिन का रहा है, इसी प्रकार वर्ष 2000-01 में अप्रैल में 375, मई में 422, जून में 463, जुलाई में 483, अगस्त में 524, सितम्बर में 503, अक्टूबर में 476, नवम्बर में 419, दिसम्बर में 437, जनवरी में 404, फरवरी में 420, मार्च में 435 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है। इस तरह से एवरेज 447 लाख यूनिट प्रतिदिन का रहा है और इसी प्रकार वर्ष 2001-02 अप्रैल में 384, मई में 423, जून में 490, जुलाई में 458, अगस्त में 565, सितम्बर में 557, अक्टूबर में 485, नवम्बर में 438, दिसम्बर में 447, जनवरी में 457, फरवरी में 438 लाख यूनिट प्रतिदिन की पावर सप्लाई रही है। इस तरह से एवरेज 481 लाख यूनिट प्रतिदिन का है। इसी प्रकार स्पीकर सर, जैसा की हुड्डा साहब ने बिजली के रेटस बढ़ाने के बारे में कहा उसके बारे में मैं चौधरी भजन लाल की सरकार के समय में कितनी बार बिजली के रेट बढ़े हैं वे मैं 28-6-79 से 5-6-86 तक के और 23-6-91 से 10-5-96 तक के बता देता हूँ। 23-7-80 को 20 प्रतिशत, 1-1-81 को दस प्रतिशत, 14-9-82 को 5 पैसे प्रति यूनिट सरचार्ज बढ़ाया गया था। इसी तरह से 15-9-93 को औद्योगिक उपभोक्ताओं पर 50 प्रतिशत की, 1-10-84 को औद्योगिक उपभोक्ताओं पर 50 प्रतिशत की, 5-6-92 को 12 प्रतिशत की, 1-2-94 को 12 प्रतिशत की 28-12-94 को 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। 28-6-79 से 5-6-86 तक और 23-6-91 से 10-5-96 तक फ्यूल सरचार्ज में वृद्धि इस प्रकार हुई-- 1-8-81 को 5 पैसे प्रति यूनिट, 1-10-81 को 5 से 5.5, 1-4-82 को 5.5 से 8, 1-10-82 को 8 से 10, 1-4-83 को 10 से 11, 1-10-83 को 11 से 12, 1-4-84 को 12 से 16, 1-10-84 को 16 से 17 पैसे की वृद्धि हुई और 1-4-85 को फ्यूल सरचार्ज में जो वृद्धि हुई थी उसे बिजली की दरों में शामिल कर लिया गया था। 1-10-85 को 2.5, 1-4-86 को 2.5 से 5.5, 16-8-91 को 42 से 45, 28-12-91 को 45 से 53, 1-4-92 को 53 से 56, 16-9-92 को 56 से 61, 17-2-93 को 61 से 66, 1-4-93 को 66 से 72, 18-6-93 को 72 से 74, 29-1-94 को 74 से 75, 1-4-94 को 75 से 81, 16-6-94 को 81 से 83, 11-10-94 को 83 से 85 पैसे और 28-12-94 को जो फ्यूल सरचार्ज में वृद्धि हुई उसे बिजली की दरों में शामिल कर लिया गया, 1-4-95 को 5, 29-12-95 को 5 से 10 और 1-4-96 को 10 से 18 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज में वृद्धि हुई। अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी के शासन काल में यानी 5-6-86 से 20-6-87 तक और 11-5-96 से 24-7-99 तक बिजली की दरों में जो वृद्धि हुई है वह इस प्रकार है--1-7-96 को 20 प्रतिशत और 15-6-98 को 15 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। इसी प्रकार इस समय के दौरान जो फ्यूल सरचार्ज में वृद्धि हुई वह इस प्रकार है-- 1-10-86 को 5.5 से 6 पैसे प्रति यूनिट, 1-4-87 को 6 से 9, 1-7-96 को 8 पैसे और उसमें 10 पैसे

बिजली की दरों में शामिल किए गए, 2-7-96 को 8 से 13 पैसे प्रति यूनिट, 1-8-96 को 13 से 19, 20-10-96 को 19 से 22, 1-4-97 को 22 से 35, 2-9-97 को 35 से 38, 15-10-97 को 38 से 41 पैसे, 15-6-98 को जो वृद्धि हुई उसे बिजली की दरों में शामिल कर दिया गया। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की वर्तमान सरकार में 1-10-2001 को बिजली की दर में 11.3 प्रतिशत और 1-9-2001 को 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस सरकार के समय में फ्यूल सरचार्ज में जो वृद्धि हुई है वह इस प्रकार है-- 1-8-2000 को 5 प्रतिशत था लेकिन 1-8-2001 को उस 5 प्रतिशत को भी हटा दिया गया है।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी के शासनकाल में जून 1986 से जून 1987 तक दो बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया गया जोकि 3.5 पैसे प्रति यूनिट रहा एवं मई 1996 से जुलाई 1999 के दौरान 7 बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया गया जोकि 33 पैसे प्रति यूनिट रहा था।

चौधरी भजन लाल के समय में 28-6-79 से 5-6-86 तक 10 बार फ्यूल सरचार्ज लगाया गया जोकि 22.5 पैसे प्रति यूनिट रहा। इसी प्रकार जून 1991 से मई 1996 के दौरान 14 बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया गया जोकि 61 पैसे प्रति यूनिट रहा। जबकि वर्तमान सरकार के शासनकाल में केवल एक बार 5 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज लगाया गया जोकि एक साल के बाद हटा दिया गया। इस प्रकार घरेलू उपभोक्ताओं को 10 पैसे प्रति यूनिट, बड़े उद्योगों को 20 पैसे प्रति यूनिट व अन्य उपभोक्ताओं को 21 पैसे प्रति यूनिट का लाभ हुआ। यह पहली बार हुआ कि फ्यूल सरचार्ज लगाकर हटा लिया गया वरना पहली सरकारों में यह होता था कि एक बार फ्यूल सरचार्ज लगाने के बाद उसको हटाने के बजाय बिजली की दरों में पक्के तौर में शामिल कर दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार अब मैं पिछले 16 वर्षों में ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन किस सरकार ने कितने दिए, उसके बारे में बताना चाहूँगा। इससे पता लग जायेगा कि किस सरकार ने ज्यादा ट्यूबवैल कनैक्शन दिए हैं। 1986-87 में 16425, 1987-88 में 26362, 1988-89 में 6508, 1989-90 में 16502, 1990-91 में 10260, 1991-92 में 23269, 1992-93 में 14376, 1993-94 में 4234, 1994-95 में 3233, 1995-96 में 2647, 1996-97 में 1859, 1997-98 में 960, 1998-99 में 783, 1999-2000 में 820, 2000-2001 में 9450 और 2001-2002 में 6607 ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन दिए गये हैं। यह रिकॉर्ड की बात है और इससे पता लगता है कि चौधरी भजन लाल जी के शासन काल के दौरान और चौधरी बंसी लाल जी के शासन काल के दौरान कितने-कितने कनैक्शन ट्यूबवैल्ज के दिए गये हैं, स्पीकर साहब हमारी सरकार के समय में सबसे ज्यादा 1,44,295 कनैक्शन ट्यूबवैल के दिए गए हैं। यह आंकड़े बताते हैं और यह रिकॉर्ड की बात है जबकि दूसरी सरकारों के समय में 44,969 कनैक्शन ही दिए गये। स्पीकर सर, इसके अतिरिक्त वर्तमान सरकार ने 185 करोड़ रुपये की लागत से 102 सब स्टेशनों की बिजली की क्षमता बढ़ाई है और 20 नये उपकेन्द्र चालू किए हैं। 63.25 करोड़ रुपये की लागत से 435 कि.मी. की बिजली की नई लाइनें खड़ी करवाई हैं। इसी तरह से 30 जून, 2001 को 577.51 लाख यूनिट बिजली प्रति दिन सप्लाई करके हमारी सरकार ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा और उससे पहले 13 अगस्त, 2000 को 576.56 लाख यूनिट बिजली प्रतिदिन देकर रिकॉर्ड बनाया था। इसके अतिरिक्त 2000-2001 के दौरान ट्रांस्फार्मरों की जलने की दर में 7 प्रतिशत की कमी आई है। स्पीकर सर, जो बिजली के बिलों का पैसा कन्जूमर की तरफ बकाया था, उसको हमारी सरकार बड़े प्यार से वसूल कर रही है और जुलाई, 1999 से दिसम्बर 2001 तक 820.40 करोड़ रुपये की राशि वसूल की गई है। जबकि चौधरी भजन लाल जी की सरकार के समय में बिजली के बिल वसूल करने के लिए किसानों पर गोलियां चलाई जाती थी। मेरे भाई नफे सिंह जुंडला के हल्के के गांव निसिंग में कांग्रेस की सरकार के समय में किसानों पर गोलियां चलाई गई थीं। स्पीकर सर, इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने वर्ष 2002-2003 के लिए बिजली के लिए 1144.10 करोड़ रुपये की योजना तैयार की है। इससे किसान और प्रदेश की जनता लाभान्वित होगी। इससे ट्रांसफार्मर भी डैमेज कम होंगे। स्पीकर सर, हमारी सरकार की अच्छी बिजली नीति के कारण ट्रांसफार्मर्ज की डैमेज दर में कमी आई है। 1997-98 में 33.77 प्रतिशत ट्रांसफार्मर डैमेज हुए, 1998-99 में 28.21 प्रतिशत ट्रांसफार्मर

[श्री कृष्ण लाल]

डैमेज हुए, 1999-2000 में 24.76 प्रतिशत ट्रांसफार्मर डैमेज हुए, 2000-2001 में 18.96 प्रतिशत ट्रांसफार्मर डैमेज हुए तथा इस वर्ष मार्च तक 14.08 प्रतिशत ट्रांसफार्मर डैमेज हुए है। इससे पता लगता है कि ट्रांसफार्मर्ज की डैमेज दर हमारे समय से कम हो रही है और हमारी सरकार कन्जूमर्स को अच्छी बिजली मुहैया कराने के लिए कितने प्रयास कर रही है। हमारे समय में ट्रांसफार्मर डैमेज कम इसलिए हुए है क्योंकि हमारी सरकार ने पूरी वोल्टेज बिजली की दी है जबकि पहले वाली सरकारें किसानों को बिजली की पूरी वोल्टेज नहीं देती थीं जिसके कारण अधिक मात्रा में ट्रांसफार्मर डैमेज होते थे और किसानों की मोटरें भी ज्यादा खराब होती थीं। लेकिन हमारी सरकार ने बिजली की पूरी वोल्टेज दी है और इस सीजन में किसान की मोटर एक बार भी कम वोल्टेज के कारण डैमेज नहीं हुई। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय को बधाई देता हूँ। स्पीकर साहब, अब मैं सहकारिता विभाग के बारे में कुछ कहना चाहता हूँ। हरियाणा सरकार की सहकारिता के क्षेत्र में काफी अचीवमैंटस रही है। सहकारिता के अन्दर किसानों को बहुत ज्यादा लाभ पहुँचा है जिससे आज हरियाणा प्रदेश का किसान बहुत खुशहाल है। हरियाणा में 84 प्रतिशत सहकारी बैंकों द्वारा ऋण तथा 16 प्रतिशत अन्य वाणिज्य बैंकों द्वारा ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कृष्ण लाल जी, आप 2 मिनट में वाइंड अप करें।

श्री कृष्ण लाल : सर, मैं जल्दी ही वाईन्ड अप करूँगा। हरको बैंक द्वारा किसानों को मदद पहुँचाने के लिए गैर सरकारी रिवोल्विंग क्रैडिड कार्ड तैयार करवाये गए हैं जो किसानों को 2 लाख रुपये तक का लोन उपलब्ध करवाते हैं। इसी प्रकार से व्यापारियों को नकद-उधार ऋण सीमा जो पहले 2 लाख रुपये तक थी उसको बढ़ा कर 5 लाख रुपये कर दिया गया है। आज कार, बस, आटो-रिक्शा और जो छोटे-छोटे वाहन आते हैं उनको खरीदने के लिए ऋण लेने की सीमा भी 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी है। किसानों के लिए लघु सिंचाई की जो योजनाएं हैं उन पर ऋण लेने पर एक परसेन्ट तथा अन्य ऋण योजनाओं पर डेढ़ परसेन्ट तक ब्याज भी कम किया है। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से जो केन्द्रीय सहकारी बैंक हैं उनके द्वारा विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जो ऋण मिलता था उस कर्ज की मौजूदा सीमा जो 50 हजार रुपये तक थी इसको भी बढ़ा कर एक लाख रुपये कर दिया है। इसी प्रकार से उपभोक्ता ऋण की सीमा भी 30 हजार से बढ़ा कर 50 हजार रुपये कर दी है। सहकारी दुग्ध विकास समितियों से जो दूध लिया जाता है उसकी पेमैंट भी अब 10वें दिन कर दी जाती है। स्पीकर साहब, जब चेयर पर उपाध्यक्ष महोदय थे, तो उस वक्त मैंने एक प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलने की कोशिश की थी लेकिन किन्हीं कारणों से वे मुझे उस समय समय नहीं दे पाये थे। जो मुद्दा मैं उस समय नहीं उठा सका था, वह अब मैं आपके माध्यम से उठाना चाहता हूँ। मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि जब चौधरी देवी लाल जी 1987 में मुख्यमंत्री थे तो उस वक्त उन्होंने असंध हल्के के फफड़ाना गांव में एक शूगर मिल लगाने की घोषणा की थी। अब मेरी मांग है कि चौधरी देवी लाल जी की उस घोषणा को पूरा करते हुए वहां पर एक शूगर मिल लगायी जाये। स्पीकर साहब, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि असंध के एरिया के लोग 1977 से लेकर आज तक चौधरी देवी लाल जी व चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के साथ चलते आ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जो पूर्व की सरकारें रही हैं उन्होंने मेरे हल्के के अन्दर कभी भी एक ईंट तक लगाने का काम नहीं किया। मैं चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी का धन्यवाद करता हूँ कि इनकी सरकार बनने के बाद 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत बहुत सारे काम मेरे हल्के में किये हुए नजर आएंगे जिससे अब प्रत्येक गांव का आदमी खुश है। अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि चौधरी देवी लाल जी ने 1987 में असंध हल्के में शूगर मिल लगाने की जो घोषणा की थी और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी द्वारा 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत असंध में जो अनाउंसमेंट इस बारे में की थी, उसको पूरा किया जाये। इसका सर्वे करने के लिए भी मुख्य मंत्री जी ने कहा था। मेरे कहने का मतलब यह है कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत सी.एम. साहब ने जो इस बारे में अनाउंसमेंट की थी, मैं उस शूगर मिल की बात कर रहा हूँ क्योंकि अब तो

इसका सर्वे भी हो चुका है। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि असंध से दूर जितने भी शूगर मिल लगे हुए हैं चाहे वह जीन्द, पानीपत, कैथल या करनाल के शूगर मिल हों, सभी के सभी असंध से 50 किलोमीटर के फासले पर पड़ते हैं। मेरे हल्के के किसान छोटे-छोटे हैं और मेरे हल्के के किसान वहां पर गन्ना उपजाना चाहते हैं लेकिन उनके पास साधन नहीं हैं। यदि असंध हल्के के अन्दर शूगर मिल लगायी जायेगी तो वहां के जो किसान हैं वे खुशहाल होंगे क्योंकि वहां पर 50 किलोमीटर तक कोई भी शूगर मिल नहीं है। अत: मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध है कि असंध हल्के के अन्दर एक शूगर मिल की स्थापना की जाये। चौधरी देवी लाल जी ने जो घोषणा की थी उसे पूरा करते हुए अगर वहां पर ताऊ चौधरी देवी लाल जी के नाम से शूगर मिल लगाया जाता है तो इससे किसानों को बहुत ज्यादा लाभ होगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कृष्ण लाल जी, अब आप बैठिये।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं बोलना तो और भी चाहता था लेकिन आप मुझे बैठने के लिए कह रहे हैं तो मैं आपका आदेश मानते हुए अपनी बात यहीं पर समाप्त करता हूँ। आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया उसका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूँ। धन्यवाद।

श्री बलबीर सिंह (महम) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ। मैं आपके माध्यम से अपने हल्के की जो 2-4 समस्याएं हैं उनकी तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार को बने हुए आज अढ़ाई वर्ष हो चुके हैं। इन अढ़ाई वर्षों के दौरान जो कार्य प्रान्त में हुए हैं वे सब जगहों पर नजर आ रहे हैं, यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर हमारे विपक्ष के साथी और माननीय विपक्ष के नेता चौधरी भजन लाल जी भी बैठे हुए हैं। कहना तो इन्हें यह चाहिए कि सरकार ने ये-ये अच्छे कार्य किए हैं और उन कार्यों की इनको प्रशंसा भी करनी चाहिए। (विघ्न) सरकार ने अच्छे कार्य किए हैं लेकिन अगर कहीं किसी चीज पर सरकार का ध्यान नहीं गया और अपने इलाके में किसी भी जगह अगर कोई समस्या है तो विपक्ष का काम है कि उसको अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार को बताएं। अगर वे ऐसा करते तो अपना फर्ज निभाते। अध्यक्ष महोदय, एक खास चीज देखने में आई है। हम सब को हरियाणा की जनता ने चुन कर भेजा है, जनता हममें बड़ी आस्था रखती है और वह चाहती है कि हमारे क्षेत्र की, हमारे हल्के की जो समस्याएं हैं उनको हम दूर करवाएंगे न कि अपना फर्ज न निभाते हुए एक दूसरे पर आरोप लगाते रहेंगे। इस बात में मैं भी आ लिया, सत्तापक्ष के लोग भी आ लिए और विपक्ष के साथी भी आ लिए। हम सभी लोग आपस में घटिया बातों पर उतर आते हैं और जो फर्ज हमें सौंपा गया है उसको हम अदा नहीं करते हैं। हम आपस में एक दूसरे की बुराई पर उतर आते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह एक गलत परम्परा है। चाहे सत्तापक्ष के साथी हों या चाहे विपक्ष के सम्मानित सदस्य हों, अगर कमी है तो उनको अपनी समस्याएं यहां हाउस में रखनी चाहिएं और उन समस्याओं पर विचार करना चाहिए कि हरियाणा प्रदेश में किस प्रकार से अच्छी सुविधाएं मिल सकती हैं। अध्यक्ष महोदय, यहां पर ऐसा माहौल नहीं है। अब यहां पर हम ज्यादातर झूठी बयानबाजी करते हैं। इस बारे में मैं विपक्ष के सम्मानित साथियों से यह कहना चाहूँगा कि पहले यह बुराई हमारी पार्टी में लगा करती थी। पहले हमारी पार्टी के कुछ लोग कहीं पर किसी की रेहड़ी को पलट दिया करते थे या और किसी प्रकार की तोड़-फोड़ कर दिया करते थे। अध्यक्ष महोदय, अब मैं खासतौर से आपके माध्यम से विपक्ष के सम्मानित नेता जी को कहना चाहूँगा कि आप ध्यान करिये कि इस नीयत के जो लोग थे वे सारे इस समय आपके परिवार में आपके घोरे अभा हो गए हैं और उसका रिजल्ट यह हुआ है कि अब वैसी हालत उधर हो गई है। कोई भी पार्टी जब अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहती है, जलसे, जनसभा या रैली के माध्यम से अपनी नीयत तथा नीति जनता को बताती है कि यह हमारा कार्यक्रम है, यह हमारी पार्टी की नीयत है, यह हमारी पार्टी की नीति है, यह हमारी पार्टी की मन्शा है और अगर हमारी सरकार आएगी तो हम यह सहूलियतें जनता को देंगे एवं इस प्रकार जनता की समस्याएं हल करेंगे (विघ्न)

[श्री बलबीर सिंह]

अध्यक्ष महोदय, ये लोग क्या करते हैं इसकी मिसाल भिवानी में हुई रैली थी जिसमें इन लोगों ने स्टेज पर ही आपस में जूतम पैजारी की। अगर इनकी अपनी पार्टी का यह हाल है तो ये लोगों का क्या भला करेंगे ? (विघ्न)

स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि न इनके पास नेता है, न नीति है और न ही इनके पास सेवक हैं। ये सब बराबर हैं लंका में बसे सब के सब नौ गजे हैं सब बराबर हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसी तरीके से कई बार देखा गया है कि हमारे विपक्ष के नेता चौधरी भजन लाल जी का अखबारों में बयान आता था कि मैं 6 महीने में सरकार को तोड़ दूंगा और अगर नहीं टूटी तो मैं सदन में शक्ल नहीं दिखाउंगा। चौधरी भजन लाल जी, आप शक्ल नहीं दिखाएं चाहे आप सुसाईड कर जाएं लेकिन यह सरकार टूटती नहीं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह सरकार लोगों ने चुनकर बनायी है, लोगों का इस सरकार में विश्वास है। हम इनकी तरह से नहीं हैं कि आज इस घर में हैं कल उस घर में हैं और परसों दूसरे घर में है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि विपक्ष के सदस्य जो बात कह रहे हैं, अगर सत्ता पक्ष के किसी भी मैम्बर के मुंह से ऐसा कोई शब्द सुना हो तो ये बता दें। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, भाई धर्मबीर सिंह, जय प्रकाश, रघुबीर सिंह कादियान और कर्ण सिंह दलाल सम्मानित सदस्य हैं और इनके अलावा एक दो और साथी हैं। जो इनकी तरह के हैं। यह ठीक है कि भगवान की माया है कि इनको पुरुष बना दिया है अगर इनको ******** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जाएं। कैप्टन साहब आप बैठ जाएं इन्होंने कोई गलत बात नहीं कही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह बात कोई बुरी मंशा से नहीं कही है या किसी भेदभाव से नहीं कहीं है। अब बीच में ये भाई बोलने खड़े हो गए हैं। मैंने इनको तो कुछ नहीं कहा है।

डॉ. रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। हमारे साथी बलबीर सिंह ने सदन में ऐसी सारकास्टिक बात सदन के सामने की है। यह सदन की गरिमा के तहत निन्दनीय है। इसलिए उस बात को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री धर्मबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, ******* (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, ********। ये तो इस बात का स्पष्टीकरण दें कि मैंने जो-जो बात कही है क्या वह गलत बात कही है ? मैं आपके माध्यम से भाई धर्मबीर सिंह से पूछना चाहता हूँ कि *******

श्री धर्मबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, *******

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, *******

श्री धर्मबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, ******** (शोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रकाश बरवाला : स्पीकर सर, *******

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, *********

चौ. भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, जो बलबीर सिंह, धर्मबीर सिंह या जयप्रकाश जी ने बातें कहीं हैं उनके बारे में मेरा निवेदन है कि वह हाउस की कार्यवाही से निकलवा दी जाएं।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, ये सारी बातें रिकॉर्ड न की जाए डिलीट कर दी जाएं।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि कोई भी है चाहे पंचायत का मैंबर है, चाहे वह हरियाणा असैम्बली का मैंबर है, चाहे पार्लियामैंट का मैंबर है जिस भी आदमी को पांच आदमी चुनते हैं उसको तो कम से कम अपना दीन, ईमान और धर्म पहचानना चाहिए। उसको तो कम से कम खामखवाह असत्य बात नहीं कहनी चाहिए। उसको इतना तो सोचना ही चाहिए कि जिन लोगों ने उसको चुना है वे क्या सोचेंगे ? मैं सभी से यह प्रार्थना करना चाहूँगा कि जो हरियाणा प्रदेश में लोगों को तकलीफें हैं उन पर विचार करें और उनको हल करें। यहां आकर आप लोग सुझाव दें न कि पर्सनल एक दूसरे के बारे में बोलें।

श्री अध्यक्ष : बाली साहब, आप दो मिनट में वाईंड अप करें।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा सारा टाईम तो ये ले गए। बड़ी मुश्किल से तो आपने मुझे बोलने के लिए टाईम दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाह रहा था कि किसी को नमक हरामी नहीं करनी चाहिए। कुछ लोग जिस थाली में खाते हैं उसी में छेद करते हैं। पहले यह कहा जाता था कि जिस घर में अन्न पानी कर लिया, वह अपना है। विपक्ष के साथी यहां बैठे हुए हैं मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि कम से कम उनको भी इस नीति का पालन करना चाहिए। 1991 से 1996 तक हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और केन्द्र में भी कांग्रेस की सरकार थी व पी.वी. नरसिम्हाराव जी प्रधान मंत्री थे उस समय डी.ए.पी. खाद का कट्टा 180 रुपये का होता था लेकिन उस समय की सरकार ने उसका दाम बढ़ाकर सीधा 360 रुपये कर दिया था, सीधा डबल कर दिया था और अब ये अपने आप को किसान का हमदर्द कहते हैं। अध्यक्ष महोदय, अब आप हिसाब लगा लें। उसके बाद से अब तक कभी भी डी.ए.पी. खाद का रेट डबल नहीं हुआ। इसके अलावा इन्होंने किसान को गन्ने का क्या भाव दिया ? कभी पचास पैसे बढ़ा दिये, कभी एक रुपया बढ़ा दिया। लेकिन आज आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने पूरे देश में सबसे ज्यादा गन्ने का रेट हरियाणा प्रदेश में दिया है। हरियाणा प्रदेश में इरीगेशन डिपार्टमैंट के नहर के 15 सर्कल हैं, एक सर्कल की सफाई, छंटाई में यदि 60 लाख रुपये लगते हैं तो साल में एक बार में इनकी सफाई पर 9 करोड़ रुपये लगे। मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करूंगा कि अगर यह सफाई साल में दो बार कराई जाए तो 9 करोड़ रुपये भी नहीं लगेंगे सिर्फ 4 या 5 करोड़ रुपये लगेंगे और किसान को पूरा पानी भी मिल सकेगा। अध्यक्ष महोदय, जब पानी ज्यादा आयेगा तो फसल ज्यादा होगी और जब फसल ज्यादा होगी तो अनाज भी ज्यादा होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूँ कि इरीगेशन विभाग को ज्यादा धन देना चाहिये क्योंकि यह विभाग किसानों के लिए बहुत जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि आदरणीय मुख्य मंत्री जी की, कृषि मंत्री श्री सन्धू साहब की और आदरणीय बड़े भाई चौधरी बलवंत सिंह मायना, चेयरमैन मार्कैटिंग बोर्ड की जितनी तारीफ की जाये उतनी थोड़ी है क्योंकि मार्कैटिंग बोर्ड से जितने काम इन्होंने इन दो अढ़ाई सालों में कराये हैं उतने काम आज तक नहीं हुये। अध्यक्ष महोदय, मैं एक उदाहरण देकर बताता हूँ कि अगर दो सड़कें तीन-तीन किलोमीटर की बननी है और यदि एक सड़क को पी.डब्ल्यू.डी. विभाग बना रहा है और एक दूसरी तीन किलोमीटर सड़क को मार्कैटिंग बोर्ड बना रहा है तो पैसा तो दोनों ने लगाया लेकिन मार्कैटिंग बोर्ड ने जो सड़क बनाई है उसकी अच्छी क्वालिटी होती है इसलिये मैं सुझाव देना चाहता हूँ कि जितनी हरियाणा में सड़कें बनाई जायें वे सभी मार्कैटिंग बोर्ड से बनवाई जानी चाहिएं क्योंकि बोर्ड की सड़कों की क्वालिटी अच्छी है। इसके अलावा जो गांवों की फिरनी की सड़कें सीमेंट से माननीय मुख्य मंत्री महोदय के कहने पर पंचायत विभाग से बनवाई हैं उनको भी मार्कैटिंग बोर्ड द्वारा बनवाया जाना चाहिये क्योंकि उसकी क्वालिटी में फर्क है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में जो सेम का इलाका है वहां पर जमीन बहुत खराब है। आपके माध्यम से मेरी माननीय मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि जहां सेम का इलाका है वहां ट्यूबवैल्ज लगाये जायें और उनके द्वारा वह पानी आगे के कम पानी वाले इलाकों में पहुँचाया जाये ताकि सेम भी खत्म हो जाये और जहां पानी कम है वहां पानी भी पहुँच जाये। इसके अलावा जहाँ-जहाँ पर कई सालों से हमारी सरकार की जो जमीन पड़ी है वहाँ पर वृक्ष लगाये जाते हैं उन पर

[श्री बलबीर सिंह]

काफी पैसा लगाया जाता है। इसके बारे में मेरा सुझाव यह है कि जब इस तरह की जमीन पर वृक्ष लगाये जायें तब उस पैसे में से कुछ पैसा बचा लिया जाये और उन वृक्षों के रख रखाव में वह पैसा लगाया जाये क्योंकि वृक्ष तो लगा दिये जाते हैं लेकिन रिजल्ट यह होता है कि उनका रख रखाव किया नहीं जाता और वे वृक्ष साल-छः महीने में ही सूख जाते हैं। इसलिए उनके रखरखाव के लिए भी पैसे की व्यवस्था की जाये ताकि जो वृक्ष लगाया जाये वह सम्पूर्ण वृक्ष बन सके। इसके साथ-साथ मेरा सुझाव यह भी है कि जो वृक्ष लगाये जायें, वे फलदार होने चाहिए जैसे जामुन, आम। जहाँ ज्यादा सेम है वहां पर सागवन के पेड़ लगाये जायें इससे सरकार को भी बहुत फायदा होगा और वहाँ से सेम भी जल्दी खत्म हो जायेगी।

श्री अध्यक्ष : बलबीर सिंह जी, आप जल्दी वाइंड अप करें।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है और एक सुझाव है कि रोहतक शहर की डेयरियां शहर से बाहर निकाली जाएं। जब तक वे डेयरियां शहर से बाहर नहीं निकाली जाएंगी तब तक वहां की सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं हो सकती। अध्यक्ष महोदय, मैं खास तौर से विपक्ष के नेता से कहना चाहूँगा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो 1700 सिपाहियों को नौकरी से निकाल दिया है उसके लिए उस समय की हरियाणा प्रदेश की सरकार और उस समय के आदरणीय मुख्य मंत्री जी की कमी रही है। आज विपक्ष के नेता उन निकाले हुए सिपाहियों की मीटिंग लेते हैं, उनको बहकाते हैं और कहते हैं कि हमारी सरकार आएगी तो तुम्हें दोबारा लगाएंगे उनको ऐसा नहीं करना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) लेकिन चौधरी भजन लाल जी, अब आपका वह सपना पूरा नहीं होगा। (शोर एवं व्यवधान) आपकी सरकार वाले दिन चले गए। पहले खरीद फरोख्त करके आ गए लेकिन अब लोग समझ गए हैं।

चौ. भजन लाल : बलबीर सिंह जी, यह सब तो जनता के हाथ में है कि किसकी सरकार बनेगी और किसकी नहीं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बाली साहब, आप जल्दी वाइंड अप करें।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारे सम्मानित साथी, आदरणीय बड़े भाई हुड्डा साहब कह रहे थे कि कलोई में कोई विकास के कार्य नहीं हुए, मैं इनको बताना चाहूँगा कि कलोई क्षेत्र में 16 सड़कें मार्किटिंग बोर्ड ने या तो बनाई हैं या फिर बनने जा रही हैं। यह रिकार्ड की बात है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय की जितनी तारीफ करूं, उतनी कम है। आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय ने 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम बनाया है उसके तहत चाहे सत्ता पक्ष का मैम्बर हो या विपक्ष का मैम्बर हो, मुख्य मंत्री ने सभी के हल्कों में बराबर पैसा लगाकर बहुत बढ़िया काम किया है वरना पहले की सरकारें तो भेदभाव करती रही हैं। पिछली बंसीलाल जी की सरकार भेदभाव करती थी। वे इस समय यहां बैठे नहीं हैं, अच्छा तो तब होता जब वे बैठे होते। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि उन्होंने महम में एक ड्रेन बनाने का काम जरूर शुरू करवाया था। लाखन माजरा-महम ड्रेन के लिए 25 करोड़ रुपये बंसी लाल जी ने दिए थे परन्तु वह पैसा ठीक ढंग से नहीं लगा था। उसमें अपने ही आदमियों को कमीशन दिया गया था। अभी तक वह ड्रेन अधूरी पड़ी है इसलिए अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि उसको पूरा करवाया जाए।

श्री अध्यक्ष : बाली साहब, अब आप बैठें।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं एक-दो मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा। भजन लाल जी, मैं आपसे पूछना चाहूँगा कि महम में आपने कोई रोड़ बनाई हो तो बता दें, कोई विकास का कार्य आपने करवाया हो तो बता दें। आपका तो एक ही काम था लूट लो। प्रधान मंत्री का, मुख्य मंत्री का और मंत्रियों का सबका लूट-खसोट

का सौदा था। हुड्डा साहब उस समय ब्यान देते थे कि इनकी नहीं चल रही जो कुछ भी हो रहा है वह चौधरी भजन लाल जी की मर्जी से हो रहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप सभी बैठिये। बलबीर सिंह जी हाउस की सहमति से बोल रहे हैं पहले इन्हें अपनी बात पूरी करने दें।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने हरियाणा प्रदेश में हर जगह विकास कार्य करवाये हैं। चाहे गलियां पक्की करवाने की बात हो, सड़कें बनाने की बात हो, स्कूलों में कमरे बनवाने की बात हो, हरिजन और बैकवर्ड क्लास की चौपालें बनवाने की बात हो। मेरे कहने का मतलब यह है कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने हर जगह विकास कार्य करवाये हैं। इसके लिए हमारे मुख्य मंत्री महोदय बधाई के पात्र हैं। स्पीकर सर, हरिजन की लड़की की शादी के समय जो 5100 रुपये कन्यादान के रूप में सरकार की तरफ से दिए जाते हैं यह भी बहुत सराहनीय कार्य है। स्पीकर सर, अब मैं पुलिस की भर्ती के बारे में कहना चाहूँगा कि चौधरी भजन लाल जी के समय में पुलिस में ऐसे-ऐसे लड़कों की भर्ती की जाती थी जिनके शरीर में से राम दिखता था, उनकी एक-एक पसली दिखती थी यानी इनके समय में गलत तरीके से पुलिस में भर्ती की जाती थी और यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें निकाल भी दिया। लेकिन हमारी सरकार ने बहुत ही तगड़े नौजवानों को पुलिस में भर्ती किया है।

चौ. भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं बलबीर जी को बताना चाहूँगा कि वे दोबारा भर्ती हो जायेंगे।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से दोबारा विपक्ष के नेता को बताना चाहूँगा कि 'न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी', मेरे कहने का मतलब यह है कि ये दोबारा मुख्य मंत्री नहीं बनेंगे। स्पीकर सर, विपक्ष के नेता ब्यान देते हैं कि ये 6 महीने में चौटाला साहब की सरकार तोड़ देंगे लेकिन ऐसा नहीं होगा। इस बात का तो वे सपना ही लें। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं सभी सम्मानित सदस्यों को कहना चाहूँगा कि यदि मेरी बात से किसी को ठेस पहुंची हो तो मैं उनसे माफी चाहूंगा।

Mr. Speaker : Question is --

That the Haryana Appropriation (No.2) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill Clause by Clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is --

That Clause-2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker : Question is --

That Clause-3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker : Question is --

That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is --

That Clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is --

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is --

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move--

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved --

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is --

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(iii) दि हरियाणा सिविल सर्विसिज (ऐग्जीक्यूटिव ब्रांच) एंड एलाइड सर्विसिज एंड अदर सर्विसिज कॉमन/कम्बाइंड ऐग्जामिनेशन बिल, 2002

Mr. Speaker : Now, a Minister will introduce the Haryana Civil Services (Executive Branch) and Allied Services and other Services Common/Combined Examination Bill, 2002 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Civil Services (Executive Branch) and Allied Services and other Services Common/Combined Examination Bill, 2002.

Sir, I also beg to move--

That the Haryana Civil Services (Executive Branch) and Allied Services and

other Services Common/Combined Examination Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved--

That the Haryana Civil Services (Executive Branch) and Allied Services and other Services Common/Combined Examination Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is--

That the Haryana Civil Services (Executive Branch) and Allied Services and other Services Common/Combined Examination Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Sub-Clause-2 of Clause-1

Mr. Speaker : Question is--

That sub-clause-2 of clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub-Clause-3 of Clause-1

Mr. Speaker : Question is--

That sub-clause-3 of clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is--

That clause-2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is--

That clause-3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker : Question is--

That clause-4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 5

Mr. Speaker : Question is--

That clause-5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker : Question is--

That clause-6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub-Clause-1 of Clause-1

Mr. Speaker : Question is--

That sub-clause-1 of clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is--

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is--

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move--

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved --

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is --

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(iv) दि हरियाणा एपार्टमैंट ओनरशिप (अमैंडमैन्ट) बिल, 2002

Mr. Speaker : Now, a Minister will introduce the Haryana Apartment Ownership (Amendment) Bill, 2002 and will also move the motion for its consideration.

नगर तथा ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा कक्ष-समूह स्वामित्व (संशोधन) विधेयक, 2002 प्रस्तुत करता हूँ।

मैं यह भी प्रस्ताव करता हूँ--

कि हरियाणा कक्ष-समूह स्वामित्व (संशोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाये।

Mr. Speaker : Motion moved --

That the Haryana Apartment Ownership (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is--

That the Haryana Apartment Ownership (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

12-00 बजे **Mr. Speaker :** Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr. Speaker : Question is --

That Clause-2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr. Speaker : Question is --

That Clause-3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-4

Mr. Speaker : Question is --

That Clause-4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-5

Mr. Speaker : Question is --

That Clause-5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker : Question is --

That Clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is --

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is --

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Town and Country Planning Minister will move that the Bill be passed.

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ--

कि बिल पारित किया जाए।

Mr. Speaker : Motion moved --

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is --

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(v) दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (अलाउन्सिज एंड पैंशन ऑफ मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल, 2002

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 2002 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 2002.

Sir, I also beg to move--

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved--

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को एक सुझाव देना चाहूँगा। अध्यक्ष महोदय, आपने विधायकों को लैप-टॉप कम्प्यूटर्ज भी दिए हैं ताकि उनको अपने क्षेत्रों में काम करने में अधिक सुविधा हो। हर विधायक को अपने विधान सभा क्षेत्र में काम करने के लिए, अपना सन्देश लोगों तक पहुँचाने के लिए और लोगों की समस्याओं को आप तक तथा सरकार तक पहुँचाने के लिए एक साथी की जरूरत पड़ती है। अध्यक्ष महोदय, जैसे मन्त्रियों को सहायक दिया जाता है, अगर वैसे ही विधायकों को भी 1000-2000 रुपये मासिक के आधार पर सहायक रखने का अधिकार दे दिया जाए तो उससे गुणवत्ता में सुधार आएगा। विधायकों को अपने कागज टाईप करवाने तथा अन्य कामों के लिए इधर-उधर आने-जाने में सुविधा होगी। अध्यक्ष महोदय, दूसरा आपके माध्यम से मेरा सरकार से यह भी अनुरोध है कि जो जवान सीमाओं पर शहीद होते हैं उनके शव उनके पैतृक गांवों में लाए जाते हैं जो कि किसी न किसी सदस्य के विधान सभा क्षेत्र में पड़ता ही है तो कम से कम सरकार विधायकों को यह अधिकार दे कि इस तरह के शहीदों के सम्मान में बनने वाली समाधि के लिए या उस समय जो तत्काल आकस्मिक खर्च परिवार पर एकदम आता है उसके लिए विधायक कुछ धन अपनी तरफ से दे सकें। होता यह है कि ऐसे समय में विधायक वहां पर खड़ा मूक दर्शक बना रहता है। तो मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूँ कि विधायकों को कुछ ऐसे भी अधिकार दें जिससे कि जब हम इस प्रकार कहीं जाएं तो दिल में यह बात लेकर जाएं कि कुछ धन कम से कम शहीदों की सेवाओं के बदले में अपने ऐच्छिक कोटे से जरूर देंगे चाहे वह धन सरकार की तरफ से ही दिया जाए लेकिन उसकी घोषणा करने का अधिकार विधायक को होना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, जो ये इनकी तरफ बैठे हैं इनमें से कई पढ़े लिखे नहीं है और इन्होंने तो ये कम्प्यूटर भी बेचने ही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि हमारे भाई कर्ण सिंह दलाल जी हमारे से ज्यादा पढ़े लिखे हैं। मैं इस बात को मानता हूँ। जहां तक कम्प्यूटर बेचने वाली बात इन्होंने कही है तो मैं इस बारे में आपके माध्यम से इनको बताना चाहूँगा कि जो इनकी मंशा है और जो इनकी नीयत है वही ये दूसरों के बारे में सोचते हैं। इन्होंने अपने नेता के साथ क्या किया था इनको तो बेचने के अलावा कोई और बात नजर ही नहीं आती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : ********।

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। कर्ण सिंह जी जो भी बोल रहे हैं वह रिकॉर्ड नहीं किया जाए। (शोर एवं व्यवधान) बलबीर जी आपस में बात नहीं करें। आप चेयर को एड्रैस करें। (शोर एवं व्यवधान) आप दोनों बैठ जाएं। अब रामबीर सिंह बोलेंगे।

श्री रामबीर सिंह (पटौदी-अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सरकार का धन्यवाद करना चाहूँगा और सदन के सभी सदस्यों को भी इस बात के लिए सरकार का धन्यवाद करना चाहिए कि इन्होंने हमारी ऐफिशिएंसी बढ़ाने के लिए, हमारे कार्य क्षेत्र में काम-काज ठीक करने के लिए सदन के 90 के 90 सदस्यों को लैप-टॉप कम्प्यूटर दिए हैं। अब इससे हमारी ऐफिशिएंसी बढ़ेगी। इसके अलावा इस सरकार ने मैंबर्ज को और जो भी फैसिलिटीज दी हैं उसके लिए भी मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहूँगा।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

[श्री रामबीर सिंह]

अध्यक्ष महोदय, हमारे कार्य क्षेत्र में कार्य करने में पहले कई दिक्कतें होती थीं। पहले हमें टेलीफोन का बिल जमा करवाने में भी दिक्कत होती थी। आज जबकि सभी मैम्बर्ज के पास मोबाईल फोन है तो इस सरकार ने टेलीफोन का भत्ता बढ़ाकर अच्छा काम किया है। इसके साथ ही जब हम कमेटीज के टूर पर जाते हैं तो ट्रेन में हमारी एन्टाईटलमैंट प्रथम क्लास की है। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस एन्टाईटलमैंट को बढ़ाकर कम-से-कम ए.सी.-2 स्लीपर तो कर दें। अध्यक्ष महोदय, मैं विधान सभा में आने से पहले मार्किटिंग बोर्ड में क्लास-2 आफिसर था और वहां पर मेरी एन्टाईटलमैंट ए.सी.-2 स्लीपर की थी लेकिन विधान सभा का सदस्य बन कर मेरी एन्टाईटलमैंट प्रथम-क्लास की हो गई है। अब मुझे समझ नहीं आ रहा है कि विधान सभा का सदस्य बनने के बाद मेरी प्रमोशन हुई है या डिमोशन हुई है ? अगर आपकी सरकार हमें प्रोटोकोल के हिसाब से चीफ सैक्रेटरी के रैंक का समझती है तो हमें कम से कम ए.सी.-1 क्लास की फैसिलिटी देने के बारे में विचार भी करें, यही मेरा अनुरोध है।

चौ. जय प्रकाश (बरवाला) : अध्यक्ष महोदय, जब मैं लोकसभा का एम.पी. था तो मैंने वहां पर देखा कि जब वहां पर कमेटीज टूर पर जाती हैं तो उनके सदस्यों को आने-जाने के लिए ट्रेन में ए.सी.-1 क्लास की और हवाई एयर की फैसिलिटी है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है और जैसा कि भाई रामबीर सिंह ने भी कहा है कि ट्रेन में आने जाने के लिए ए.सी.-II क्लास की फैसिलिटी होनी चाहिए तो मेरा कहना है कि ए.सी. II क्लास की बजाए हवाई एयर की फैसिलिटी दी जानी चाहिए ताकि जो मैम्बर्ज कमेटी के दौरों के वक्त दो-दो और तीन-तीन दिन गाड़ियों में बैठे रहते हैं जिससे उनका भी और अधिकारियों का भी समय खराब होता है, वह समय खराब न हो। इसके साथ ही मेरा सरकार को एक और सुझाव है। जब एक अप्रैल के बाद ऑयल डि-कंट्रोल होगा और प्राइवेट कम्पनीज के हाथ में इसका कंट्रोल जाएगा तो डीजल के दाम बहुत बढ़ जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मैम्बर्ज को अब सरकारी भत्ता 5 रुपए प्रति किलोमीटर के हिसाब से मिलता है लेकिन आने वाले समय में पैट्रोल/डीजल की महंगाई को देखते हुए यदि यह भत्ता उसको 10 रुपए प्रति किलोमीटर कर दिया जाए तो इससे सभी मैम्बर्ज को फायदा होगा। सदन के नेता जो मुख्य मंत्री हैं, उन्होंने भी इस मामले में कहा था कि यह 5 रुपए की बजाए 10 रुपए प्रति किलोमीटर होना चाहिए लेकिन पता नहीं सम्पत सिंह जी क्यों इतनी कंजूसी कर गए ? अध्यक्ष महोदय, यही मेरी आपसे प्रार्थना है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, जो एक्स एम.एल.एज. हैं उनके बारे में भी सरकार को सोचना चाहिए क्योंकि कल को तो इन्होंने भी एक्स एम.एल.ए. हो जाना है।

श्री अध्यक्ष : आपको एक्स एम.एल.एज. की चिन्ता ज्यादा हो गई क्या ?

Mr. Speaker : Question is --

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2 to 5

Mr. Speaker : Question is --

That Clause 2 to 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker : Question is --

That Clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is --

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is --

That Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move --

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved--

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is --

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(vi) दि हरियाणा सैलरीज एंड अलाउन्सिज ऑफ मिनिस्टर्ज (अमैंडमैंट) बिल, 2002

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will introduce the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill, 2002 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill, 2002

Sir, I also beg to move--

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved --

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is --

That the Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2 & 3

Mr. Speaker : Question is --

That Clause 2 & 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr. Speaker : Question is --

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is --

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is --

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move that the Bill be passed-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved --

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is --

That the Bill be passed.

The motion was carried.

धन्यवाद देना

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम तो मैं आपका आभार व्यक्त करूँगा कि आपने इस सदन को बहुत ही अच्छे ढंग से सुचारू रूप से चलाया और सदन के सभी सम्मानित सदस्यों को खुलकर के बोलने का अवसर प्रदान किया। हरियाणा बनने के बाद शायद यह पहला अधिवेशन है जो इतने लम्बे समय तक चला है और सबसे ज्यादा प्रसन्नता की बात यह है कि विपक्ष हमेशा इस इंतजार में रहता है कि सैशन चले, लंबा सैशन चले लेकिन अध्यक्ष महोदय, आपकी फिराखदिली ने विपक्ष को बार-बार यह कहने को मजबूर किया कि जल्दी छुट्टी हो जाए। (विघ्न) इसके साथ ही मैं पूरे सदन के सम्मानित सदस्यों का व विशेष रूप से विपक्ष के नेता का आभार व्यक्त करूँगा कि उन्होंने खुशअसलूबी से इस सदन की गरिमा को बरकरार रखते हुए बहुत अच्छे ढंग से अच्छे सुझाव दिए जिनसे प्रदेश की जनता भी लाभान्वित होगी। मैं प्रदेश के अधिकारियों का भी आभार व्यक्त करूंगा कि जो शंकाएं, चिंताएं सदन के सदस्यों के दिमाग में थीं, उनको उन्होंने दूर किया व जिस किसी किस्म के प्रश्न पूछे गए उनका जवाब बखूबी तैयार किया गया। यह अलग बात है कि विपक्ष के पास पूछने के लिए कुछ था ही नहीं। विपक्ष के उप नेता जब हम विपक्ष में होते थे तब खूब चहका करते थे तब इनको बोलने का अवसर नहीं मिला करता था जबकि इस बार इनको बोलने का पूरा अवसर मिला लेकिन इनके पास पूछने के लिए कोई क्वैश्चन नहीं था, कोई सप्लीमैंट्री नहीं था। फिर भी मैं पूरे सदन का और खास तौर से विपक्ष के लोगों का आभार व्यक्त करूँगा कि परमात्मा उन्हें सद्बुद्धि दे कि वे आगे के लिए हरियाणा प्रदेश की जनता के लिए अच्छे सुझाव प्रस्तुत करें। मैं अपनी इस बात को पुन: दोहराता हूँ कि जनतांत्रिक प्रणाली को बरकरार रखते हुए अगर सम्मानित सदन के किसी भी सदस्य की तरफ से कोई भी रचनात्मक सुझाव आएंगे तो सरकार उन्हें पूरी तरह से मानेगी। आप सबका मैं पुन: आभार व्यक्त करता हूँ। विशेषकर प्रैस के सदस्यों का मैं इस बात के लिए आभार व्यक्त करूँगा उन्होंने सदन की कार्यवाही अक्षरश: प्रदेश की जनता को दी। यह ठीक है कि कुछ ऐसे नेता थे जो बात कम कहते थे और प्रैस की तरफ ज्यादा झांकते थे। प्रैस ने अच्छे ढंग से लोगों तक बात पहुँचाने में अहम् भूमिका निभाई। मैं आप सबका पुन: आभार व्यक्त करूँगा और उम्मीद है कि अगले सैशन में और ज्यादा अच्छे और सुनियोजित ढंग से अच्छे तरीके से पूरी तरह से तैयार होकर के आप लोग आएंगे और बजट पर जिस प्रकार से बोला जा सकता है उसी प्रकार से बोलेंगे। मांगे राम गुप्ता जी पुराने वित्त मंत्री रह चुके हैं मैं इनकी इस बात के लिए दाद दूंगा कि इन्होंने खुद तस्लीम कर लिया कि हम पढ़कर नहीं आते हैं। (विघ्न) मुझे उम्मीद है कि ये आगे से पढ़कर आएंगे।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the House stands adjourned sine die.

*12:20 hrs. (The Sabha then *adjourned sine die).

34892—HVS—H.G.P., Chd.